RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 112 , शुक्रवार, 05 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8

9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

युवा संगम फेज-6 के लिए एलएनडी महाविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन, महाविद्यालय ... 03

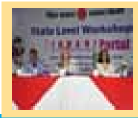

जननी पोर्टल पर स्वास्थ्य पदाधिकारियों की राज्य स्तरीय कार्यशाला शुरू 04

इंतजार खत्म! अदिवी शेष-मृणाल ठाकुर की 'डकैत' की हिंदी रिलीज... 07

संक्षिप्त समाचार

टीसीएस के बाद अब विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

● पीड़िता बोली-कर्मचारी ने इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया

पुणे (एजेंसी)। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये आरोप पुणे में हिंदू

जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी ऑफिस में काम करती थी। इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। पीड़ित महिला ने कहा- अगस्त 2025 में यह हुआ।

● **ऑफिस में इस्लाम अपनाने का दबाव दिया जाता था-** पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि उसकी एक महिला सहकर्मी कई बार उस पर इस्लाम अपनाने और एक मुस्लिम पुरुष के साथ संबंध बनाने का दबाव डालती थी। उसका कहना है कि सहकर्मी बार-बार उसकी निजी जिंदगी में दखल देती थी और उसे हिंदू धर्म छोड़ने के लिए कहती थी।

इंतजार खत्म, आ गया मानसून

● केरलम पहुंचा, इस बार 3 दिन लेट ● 7 दिन तक भारी बारिश का अनुमान ● एमपी-राजस्थान में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिसका लोग लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, आखिरकार वह समय आ ही गया। भारत में केरल के जरिए मॉनसून की एंट्री हो गई है। इसकी वजह से अगले सात दिनों तक केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक में अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

वहीं, उत्तर पूर्वी भारत में अगले पांच से छह दिनों तक भारी से बहुत भारी बरसात का अलर्ट है। इसके अलावा, उत्तर पश्चिम भारत, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों और दक्षिण भारत में अगले दो से तीन दिनों के दौरान तेज आंधी के साथ तूफान आएगा।

मौसम विभाग ने मॉनसून आने की खुशखबरी देते हुए कहा, दक्षिण पश्चिम मॉनसून आज चार जून को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के बचे भागों, पश्चिम मध्य और पूर्वी मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों, संपूर्ण लक्षद्वीप, द्वीप समूह, केरल, माहे, कर्नाटक, तमिलनाडु के कुछ भागों, केमोरिन क्षेत्र के बचे हिस्सों, दक्षिण पूर्वी बंगाल की खाड़ी और दक्षिण पश्चिम, पश्चिम मध्य, पूर्व मध्य और उत्तर पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ और भागों में आगे बढ़ गया है।

पूर्वी भारत में तेज हवाएं चलने का अनुमान

मौसम विभाग के अनुसार, 6-7 जून के दौरान असम, मेघालय में हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ तूफान, मध्यम बिजली गिरने और तेज हवाओं के चलने का अनुमान है। पांच से सात जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भी यही संभावना है। 5 से 6 जून के दौरान असम, मेघालय में भी तेज हवाएं चलने वाली हैं। 5-10 जून को अरुणाचल प्रदेश, 5-6 जून और 10 जून को असम, मेघालय में, 5-10 जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होगी। पांच जून को और छह से नौ जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, छह से नौ जून के दौरान असम, मेघालय में अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश होगी।

अभेद्य हुआ 'सुदर्शन चक्र' आ गई एस-400 की चौथी खेप

● रूस ने बढ़ा दी भारत की और ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की हवाई रक्षा ताकत और भी अभेद्य हो गई है। रूस से भारत को अत्याधुनिक एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की चौथी स्क्वाड्रन मिल गई है। इस सिस्टम को भारत में सुदर्शन चक्र कहा जाता है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते इस सिस्टम की डिलीवरी में कुछ देरी हुई थी, लेकिन अब

समुद्री रास्ते से यह भारत आ चुका है और जल्द ही इसे एक अहम ऑपरेशनल इलाके में तैनात कर दिया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर और रिकॉर्ड-रेंज किल- एस-400 सुदर्शन की अहमियत ऑपरेशन सिंदूर से समझी जा सकती है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, इस ऑपरेशन में एस-400 ने पाकिस्तानी वायुसेना के खिलाफ एक अहम रोल निभाया था।

● **पांचवीं और आखिरी स्क्वाड्रन का भी है इंतजार-** भारत ने अपनी पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए साल 2018 में रूस के साथ पांच एस-400 रेजीमेंटल सिस्टम के लिए सौदा किया था। इसकी पहली तीन स्क्वाड्रन भारत को पहले ही मिल चुकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन युद्ध के कारण जो रुकावटें आई थीं, वे अब दूर हो गई हैं और डिलीवरी फिर से तय समय पर होने लगी है। उम्मीद है कि पांचवीं और आखिरी स्क्वाड्रन भी आने वाले कुछ महीनों में भारत पहुंच जाएगी। इसके साथ ही, भारत अपने बेड़े का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त एस-400 खरीदेगा।

बंगाल में ममता के सामने अब पहचान का संकट!

● सबसे मुश्किल दौर में पार्टी, बागी गुट ने किया खेल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी विधायक दल में टूट के बाद भी राजनीतिक उठापटक बाकी है। टीएमसी के बागी 60 विधायकों को विधानसभा में विपक्षी दल की मान्यता मिल गई है। विधानसभा अध्यक्ष रतींद्रनाथ बोस

ने ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा देते हुए ऑफिस की चाबी भी दे दी। टीएमसी पार्टी की ओर से नियुक्त शोभनदेव भट्टाचार्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के ऑफिस के लिए धरना दे रहे थे। पार्टी में टूट के बाद मायूसी ही उनके हाथ लगी। अब असली तृणमूल और नकली टीएमसी की लड़ाई शुरू होगी, जिस पर आखिरी फैसला विधानसभा अध्यक्ष को ही करना है।

● **बंगाल में महाराष्ट्र पार्ट-2 दोहराया जा रहा है-** बंगाल विधानसभा में टीएमसी में टूट के बाद ममता बनर्जी और पार्टी का भविष्य स्पीकर रतींद्रनाथ बोस के फैसलों पर टिक गया है। संजय राउत समेत कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल में महाराष्ट्र के ऑपरेशन लोटस को दोहराया जा रहा है। विधानसभा में ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष का पद देने पर भी टीएमसी के नेताओं ने सवाल उठाए हैं। कुणाल ने कहा है कि पार्टी से निकाले गए नेता को नेता कैसे बना सकते हैं।

बड़ा झटका! बीजेपी से अलग होंगे अन्नामलाई

जल्द कर सकते हैं ऐलान, तमिलनाडु में इस्तीफों का दौर शुरू

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी को झटका लगा है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। सियासी गलियारों में हलचल इस बात को लेकर बढ़ गई है कि वह जल्द कोई बड़ी घोषणा कर सकते हैं। इस बात की जोरदार चर्चा है कि अन्नामलाई जल्द ही एक नई पार्टी या आंदोलन की घोषणा कर सकते हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह बीजेपी से अलग होकर अपनी एक स्वतंत्र राजनीतिक जमीन तैयार करने की योजना बना रहे हैं। आपको बता दें कि 2 जून को अन्नामलाई ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस बैठक के बाद कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन सूत्रों के मुताबिक बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें फिलहाल अपना इस्तीफा रोकने के लिए कहा है। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि अन्नामलाई को राष्ट्रीय सचिव बनाया जा रहा है।

अधर में है अन्नामलाई का सियासी सफर?

पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई का राजनीतिक भविष्य उस समय से अधर में लटका हुआ नजर आ रहा है जब बीजेपी ने उन्हें हटाकर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। इसके साथ ही बीजेपी ने साल 2026 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के साथ अपने पुराने गठबंधन को दोबारा जीवित कर लिया। पार्टी के इस फैसले के बाद से ही अन्नामलाई हाशिए पर चल रहे हैं। इन अटकलों को खुद अन्नामलाई के एक बयान ने और हवा दे दी है। हाल ही में उन्होंने मीडिया से कहा था कि वह अगले दो दिनों में अपनी स्थिति साफ करेंगे। दिल्ली रवाना होने से पहले उन्होंने कहा था, कृपया थोड़ा इंतजार करें। हम दो दिनों में एक साथ बैठेंगे और विस्तार से बात करेंगे।

● दिल्ली आग ● जलती इमारत के पास से गुजरा था, किसी को बचाया नहीं

होटल मालिक 4 दिन की पुलिस रिमांड पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था। वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया। उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था।

उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया। इसके बजाय वह शहर में इधर-उधर घूमता रहा। बुधवार को लगी इस भीषण आग ने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई।

घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने बजाज को हिरासत में लिया था।

हादसा होने की 5 बड़ी वजह

खिड़कियां बंद थीं। वेंटिलेशन नहीं था। आने-जाने का सिर्फ एक रास्ता था। जगह काफी सकरी थी। बाहरी फायर एस्केप (आपातकालीन निकास) की कोई व्यवस्था नहीं थी। ऐसी इमारतें 'चिमनी' जैसी बन जाती हैं, धुआं-गर्मी कुछ ही सेकंड में ऊपर पहुंच जाती है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, सेंसर आधारित मुख्य गेट बंद हो गया था। इसकी वजह से लोग बाहर ही नहीं निकल पाए। मालिकों ने अवैध रूप से इमारत में बदलाव किए। अनुमति सिर्फ 6 कमरों की थी, लेकिन 25 कमरे बना दिए गए। स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म और स्प्रिंकलर सिस्टम जैसे जरूरी फायर सेफ्टी उपकरण काम नहीं कर रहे थे। ग्राउंड फ्लोर पर कई भारी एलपीजी सिलेंडर रखे गए थे, जिनके लिए कोई फायर-आइसोलेशन सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी।

अब बिहार के हॉस्पिटल में आग, 5 लोगों की मौत

● कुछ मरीजों के गायब होने पर लोगों का जमकर हंगामा ● पुलिस बोली-दूसरे अस्पताल में हैं

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग झुलस गए। हादसा बुधवार रात करीब 3 बजे हुआ। आग शॉर्ट सर्किट से लगी। इसके बाद आईसीयू में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ। इसकी वजह से आग तेजी से फैली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड अस्पताल पहुंची और आग पर काबू पाया। लोगों ने मौके से स्टाफ के गायब होने का आरोप लगाया। परिजन अपने मरीजों को स्ट्रेचर से बाहर ले जाते दिखे। आईसीयू वार्ड 5वीं फ्लोर पर है, जिसकी वजह से रेस्क्यू में दिक्कत आई। दमकलकर्मियों ने आईसीयू और अस्पताल के दूसरे वार्डों में फंसे मरीजों को खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर बाहर निकाला। चार मृतकों की पहचान हो गई है, जिनमें, गीता देवी, चंचला कुमारी, 57 साल के उदय कुमार, 30 साल के शशांक कुमार शामिल हैं। एक की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं, हादसे के बाद प्रसाद हॉस्पिटल से कई मरीज गायब बताए जा रहे हैं। इसे लेकर मरीज के परिजन हंगामा कर रहे हैं।

राजस्थान से सतीश पूनिया, एमपी से तरुण चुघ बने प्रत्याशी

बीजेपी ने राज्यसभा चुनाव के लिए जारी कर दिए 11 नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने 5 राज्यों में राज्यसभा चुनाव और एक राज्य में उपचुनाव के लिए अपने 11 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। इसमें राजस्थान से सतीश पूनिया और मध्य प्रदेश से तरुण चुघ का भी नाम है। बीजेपी ने मध्य प्रदेश से तरुण चुग के अलावा रजनीश अग्रवाल को भी टिकट दिया है।

वहीं, गुजरात से पार्टी ने 4 प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। इनमें राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार, जीतेंद्र मेघजीभाई कंजारिया शामिल हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात के अलावा मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश से भी प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया है। मणिपुर से जहां शारदा देवी को टिकट मिला है तो वहीं, अरुणाचल प्रदेश से ताई तागाक को उतारा गया है।

टीएमसी में बगावत, कांग्रेस-डीएमके की दूरी

● बीजेपी के लिए संसद में आसान होगी दो तिहाई बहुमत की राह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी कुछ ही समय पहले तक ऐसा लग रहा था कि एक एकजुट विपक्ष केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी विधायी एजेंडे और उसके राजनीतिक नैरेटिव को पटरी से उतार सकता है। पिछले सत्र में लोकसभा के भीतर महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े सरकारी विधेयक की हार ने विपक्ष के इस हौंसले को और मजबूत किया था। लेकिन अब संसद के भीतर और बाहर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए आगे की राह बेहद आसान नजर आ रही है। इसकी मुख्य वजह यह है कि भाजपा के दो सबसे मजबूत क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक इस समय बड़े

राजनीतिक संकटों और चुनौतियों से जूझ रहे हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी इस समय अपने राजनीतिक इतिहास के सबसे बड़े अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। पार्टी के कुल 80 विधायकों में से 58 बागी विधायकों के एक गुट ने ममता बनर्जी की पसंद के विपरीत ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता चुन लिया है। साल 1998 में ममता बनर्जी द्वारा पार्टी की स्थापना किए जाने के बाद से यह टीएमसी में अब तक का पहला औपचारिक विभाजन है। **भतीजे के खिलाफ गुस्सा-** टीएमसी के एक सांसद ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह पूरा विद्रोह अभिषेक के खिलाफ है।

डीएमके और कांग्रेस में दूरी

दक्षिण भारत में भी विपक्ष का गणित पूरी तरह बिगड़ चुका है। तमिलनाडु में कांग्रेस ने अपने पुराने और भरोसेमंद साथी द्रमुक का हाथ छोड़कर सुपरस्टार से नेता बने विजय की नई पार्टी टीवीके से हाथ मिला लिया है। इस धोखे के बाद डीएमके अब केंद्र सरकार के प्रति अपनी पारंपरिक और स्वाभाविक शत्रुता को छोड़कर एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने पर विचार कर रही है। भाजपा खेमे का मानना है कि राज्य के नए समीकरणों के कारण अब डीएमके केंद्र के साथ टकराव के बजाय सहयोग का रास्ता चुन सकती है।

सरकार के लिए गेमचेंजर साबित होगी यह स्थिति

हाल ही में हुए लोकसभा के घटनाक्रम को देखें तो यह कांग्रेस के साथ तीन बड़े क्षेत्रीय दलों समाजवादी पार्टी , टीएमसी और द्रमुक का एक साथ आना ही था, जिसने लोकसभा में सरकार के संविधान संशोधन विधेयक को गिरा दिया था। इन दलों के पास कुल 185 सांसद थे, जो सदन की कुल संख्या का एक-तिहाई से अधिक थे। टीएमसी के बिखराव और कांग्रेस से नाराज चल रही डीएमके के कारण भाजपा 2024 के चुनावों के बाद पहली बार विपक्ष की आपसी फूट का फायदा उठाने की सबसे मजबूत स्थिति में है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि महाराष्ट्र के कुछ विपक्षी सांसद भी पाला बदलने या अपनी निष्ठा बदलने पर विचार कर रहे हैं। विपक्ष के कमजोर और बिखरे होने के बाद अब मोदी सरकार अपने सबसे महत्वाकांक्षी एजेंडे जिसमें एक राष्ट्र, एक चुनाव शामिल है, को नए उत्साह और ताकत के साथ संसद में आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है।

ईरान में फूट डालना चाहता है अमेरिका

● ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने ट्रंप को दी खुली चेतावनी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि हार के बाद दुश्मन फूट डालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान आजाद देशों के लिए गर्व का स्रोत बन गया है। ईरान की सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने यह टिप्पणी अयातुल्ला रूहोल्ला खोमेनी की पुण्यतिथि की 37वीं वर्षगांठ पर टेलीविजन पर पढ़े गए एक संदेश में की। ईरान के सुप्रीम लीडर का कहना है कि तेहरान का दुश्मन हार का सामना करने के बाद आंतरिक फूट डालने की कोशिश कर रहा है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने कहा है कि ईरान का दुश्मन हार का सामना करने के बाद ईरानी लोगों के बीच आंतरिक फूट डालने की कोशिश कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली के पातेपुर सीएचसी में नवजात की मौत, डिलिवरी के बाद इलाज नहीं मिलने से तोड़ा दम

हाजीपुर। वैशाली के पातेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) में एक बार फिर लापरवाही का मामला सामने आया है। बुधवार देर रात अस्पताल में प्रसव के बाद समय पर इलाज न मिलने के कारण एक नवजात शिशु की मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। यह महज दो दिन के भीतर नवजात की मौत का दूसरा मामला है, जिसने स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, पातेपुर के इमादपुर निवासी विक्रम कुमार की गर्भवती पत्नी दौलत देवी को बुधवार देर रात करीब 1 बजे प्रसव पीड़ा होने पर पातेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। भर्ती होने के कुछ ही देर बाद महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया। जन्म के समय नवजात का वजन सामान्य से कम था, लेकिन जच्चा और बच्चा दोनों की स्थिति नियंत्रण में बताई गई

थी। कुछ समय बाद कम वजन होने के कारण नवजात की स्थिति बिगड़ने लगी। ड्यूटी पर तैनात एएनएम (ANM) और ममता कार्यकर्ता ने इसकी सूचना तुरंत ऑन-ड्यूटी डॉक्टर को दी। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने खुद मरीज को देखने आने के बजाय एएनएम से रजिस्टर मंगवाया और बिना जांच किए ही नवजात को सदर अस्पताल, हाजीपुर के लिए रेफर कर दिया। परिजनों का कहना है कि "बच्चा जब पैदा हुआ तो रो रहा था। कुछ देर बाद उसने रोना बंद कर दिया। नर्स नीचे से रेफर का पुर्जा लेकर आई और कहा कि डॉक्टर साहब ने हाजीपुर रेफर कर दिया है। जब डॉक्टर देखने ही नहीं आए, तो उन्होंने किस आधार पर रेफर किया? क्या रेफर करने से पहले ही बच्चे की मौत हो चुकी थी?" परिजन जब नवजात को लेकर आनन-फानन में सदर अस्पताल हाजीपुर पहुंचे, तो वहां के डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि बच्चे की धड़कन रुक चुकी है और उसकी मौत हो चुकी है। इसके बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। आक्रोशित परिजन मृत बच्चे को लेकर वापस पातेपुर अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों की संवेदनहीनता के खिलाफ जमकर हंगामा काटा।

फायरिंग की आवाज सुन बुजुर्ग की हार्ट अटैक से मौत, वैशाली में जमीन विवाद में महिला को गोली लगी

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के रहीमापुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में एक महिला को गोली लग गई। इस घटना में गोलीबारी की आवाज सुनकर एक बुजुर्ग व्यक्ति की हार्ट अटैक से मौत हो गई। घायल महिला की पहचान 45 वर्षीय गीता देवी के रूप में हुई है, जो तेज नारायण सिंह की पत्नी हैं। उन्हें बाईं ओर सिर में गोली लगी है। घटना के बाद उन्हें तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। गोलीबारी की आवाज सुनकर 65 वर्षीय राजदेव सिंह को हार्ट अटैक आ गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राजदेव सिंह स्वर्गीय जुलुम धारी सिंह के पुत्र थे। मृतक राजदेव सिंह किसान थे और खेती करते थे। वह अपने तीन भाइयों व एक बहन में सबसे बड़े थे। उनके दो बेटे और चार बेटियां हैं। इस मामले में अनिल सिंह के पुत्र मनीष कुमार को आरोपी बनाया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, घटनास्थल से लगभग 10 राउंड गोली चलने के निशान मिले हैं। पुलिस ने मौके से पांच खाली खोखे और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। मामले की जांच पड़ताल जारी

है। घटनास्थल पर FSL (फोरेंसिक साइंस लैब) टीम बुलाई गई है, जो जांच के लिए सैंपल एकत्र कर रही है। यह जमीनी विवाद जयचन सिंह (40) और तेज नारायण सिंह (डीलर) के बीच चल रहा था। तेज नारायण सिंह के परिजनों ने बताया कि यह विवाद उनकी पुश्तैनी जमीन को लेकर था, जिस पर 6 महीने पहले कोर्ट का फैसला उनके पक्ष में आया था। जिस जमीन पर विवाद चल रहा था, वह एक बथान (पशुओं के रहने का स्थान) है। जब वे वहां कुछ काम कर रहे थे, तभी हमला किया गया। आरोपी पक्ष से वीरेंद्र राय के पुत्र शिवकुमार भी घायल हुए हैं। उनकी कमर के पीछे गोली लगी है। शिवकुमार सुल्तानपुर औद्योगिक कला क्षेत्र के रहने वाले हैं और अपनी बुआ के घर झगड़ा करने आए थे। बिदुपुर के प्रभारी थाना अध्यक्ष आदित्य कुमार ने बताया कि जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए थे, जिसमें मारपीट हुई और गोली चली। उन्होंने पुष्टि की कि एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हुई है और घायलों का इलाज चल रहा है। फिलहाल स्थिति पर काबू पा लिया गया है और पुलिस मौके पर मौजूद है। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया है।

गैस सिलेंडर फटा, एक की मौत, बिदुपुर के कंचनपुर में 3 घायल, परिजन बिना पोस्टमार्टम ले गए शव

हाजीपुर। हाजीपुर के बिदुपुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव में गैस सिलेंडर फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस हादसे में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को सदर अस्पताल हाजीपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कंचनपुर गांव निवासी स्वर्गीय चंद्रकेत राय के 48 वर्षीय पुत्र तोरी राय के रूप में हुई है। डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित किए जाने के बाद परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को लेकर चले गए। परिजनों ने घटना का कोई ठोस कारण नहीं बताया और पूछताछ करने पर चुप्पी साधे रहे। इस कारण मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। बिदुपुर थाने की पुलिस भी घटना के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी देने में असमर्थ दिखी। हालांकि, कंचनपुर के मुखिया रामबचन राय ने घटना का एक अलग कारण बताया है। उनके अनुसार, एक व्यक्ति की मौत एलिवेस्टर गिरने से हुई है, जबकि तीन अन्य घायल हुए हैं जिनका इलाज चल रहा है। मुखिया ने यह भी बताया कि परिजनों ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है। बिदुपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

एएनएम स्कूल की प्रभारी प्राचार्य के पति से मांगी रिश्वत, हेल्थ डिपार्टमेंट के एडिशनल डायरेक्टर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। तिरहुत प्रमंडल के स्वास्थ्य विभाग के रीजिनल एडिशनल डायरेक्टर डॉक्टर अजय कुमार को बुधवार को निगरानी की टीम ने 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। डॉक्टर अजय की गिरफ्तारी पटना स्थित अशोका पैलेस के पास से की गई। शिकायतकर्ता पटना के गोपालपुर थाना के बैरिया के रहने वाले विवेक सिंह ने विजिलेंस के पटना स्थित ऑफिस में मामला दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि विजिलेंस को दी गई शिकायत में बताया था कि मेरी पत्नी नेहा कुमारी वर्तमान में वैशाली के महनार स्थित एएनएम स्कूल सह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छात्रावास की प्रभारी प्राचार्या है। उन्होंने बताया कि मेरी पत्नी फिलहाल प्रेग्नेंट है और उसकी देखभाल के लिए मैं साथ रह रहा हूं। विवेक सिंह के मुताबिक, मैं अपनी पत्नी के साथ रह रहा हूं, इसके एवज में आरोपी डॉक्टर अजय कुमार की ओर से रिश्वत मांगी जा रही थी। आरोपी की ओर से कहा जा रहा था कि अगर रिश्वत नहीं देंगे तो अलग-अलग तरह के आरोप लगाकर आपको पत्नी के पास से हटा दिया जाएगा और आपकी पत्नी को भी सस्पेंड करा दिया जाएगा। शिकायतकर्ता के आरोपों का विजिलेंस ने वेरिफिकेशन किया, जिसमें आरोपी की ओर से मांगी गई रिश्वत की शिकायत सच साबित हुई। इसके बाद इस संबंध में विजिलेंस ने मामला दर्ज किया और पटना विजिलेंस की एएसपी रीता सिन्हा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम की ओर से कार्रवाई करते हुए डॉक्टर अजय कुमार को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथों पटना के अशोका पैलेस के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी से पूछताछ के बाद विजिलेंस के स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा। मामले में आगे की जांच की कार्रवाई चल रही है।

पटना गांधी सेतु पर ट्रक-पिकअप की टक्कर, जाम से बढ़ी परेशानी

एजेंसी, पटना

पटना को उत्तर बिहार से जोड़ने वाले महात्मा गांधी सेतु पर गुरुवार सुबह भीषण जाम लग गया। लगभग तीन घंटे तक हजारों वाहन फंसे रहे, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह के समय यातायात का दबाव बढ़ने के कारण सेतु पर वाहनों की रफ्तार पूरी तरह धीमी पड़ गई। कई स्थानों पर वाहन रेंगते हुए दिखाई दिए, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

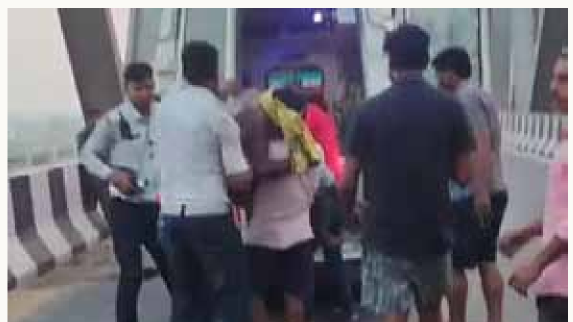

ट्रक और पिकअप वाहन की टक्करः जाम के दौरान एक ट्रक और पिकअप वाहन की टक्कर हो गई, जिसमें पिकअप का ड्राइवर घायल हो गया। पुलिस बल ने तत्परता दिखाते हुए घायल ड्राइवर को तुरंत उपचार के लिए हाजीपुर वैशाली अस्पताल भेजा और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को भी सुरक्षित हटवा दिया। हालांकि, इस घटना के बाद भी सेतु पर वाहनों का दबाव बना रहा, जिससे जाम की समस्या और बढ़ गई।

यातायात पुलिस ने संभाली कमानः जाम की सूचना मिलते ही यातायात पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने विभिन्न स्थानों पर मोर्चा संभालकर यातायात व्यवस्था को सामान्य बनाने का प्रयास किया और वाहनों को नियंत्रित किया। जीरो माइल ट्रैफिक थाना प्रभारी नीरज कुमार झा ने बताया कि इन दिनों बढ़ती गर्मी के कारण लोग सुबह जल्दी अपने गंतव्य के लिए निकल रहे हैं। इसी वजह से सुबह के समय गांधी सेतु पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ जाता है।

- घायल ड्राइवर को भेजा अस्पताल, हजारों यात्री हुए परेशान

सुबह नौ बजे तक यातायात रहता है प्रभावितः उन्होंने यह भी बताया कि पिछले तीन से चार दिनों से सुबह के समय ऐसी ही स्थिति देखने को मिल रही है और लगभग सुबह नौ बजे तक यातायात प्रभावित रहता है। वाहनों की अधिक संख्या के कारण ट्रैफिक की गति धीमी पड़ जाती है। इसके अलावा, कई चालक यातायात नियमों का पालन नहीं करते, सिग्नल तोड़ते हैं या बीच रास्ते से वाहन घुसाने का प्रयास करते हैं, जिससे जाम और गंभीर हो जाता है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे वैकल्पिक मार्ग के रूप में जेपी सेतु का उपयोग करें, ताकि गांधी सेतु पर दबाव कम हो सके।

4 लाख का कोडीनयुक्त कफ सिरप बरामद

एजेंसी, पटना

पटना जिला अंतर्गत नदी थाना पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। बुधवार को पुलिस ने अवैध रूप से नशीले कफ सिरप की तस्करी कर रहे एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद नशीले सिरप की अनुमानित कीमत लगभग 4 लाख रुपये आंकी गई है।

घेराबंदी कर तस्करों को दबोचाः फतुहा SDPO-1 अवधेश कुमार ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि, बुधवार को थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया था। इस दौरान पुलिस टीम ग्राम पक्कीदरगाह के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी क्रम में एक टेम्पो (रजि० न०-BR01PS8910) पर सवार पांच लोगों ने पुलिस को देखते ही गाड़ी को तेजी से मौजीपुर की ओर भगाना शुरू कर दिया। पुलिस ने तेजी

- पुलिस चेकिंग देखकर भागे 5 तस्कर, घेराबंदी कर सभी को किया गिरफ्तार

दिखाते हुए पीछा किया और घेराबंदी कर उन्हें धर दबोचा। तलाशी लेने पर टेम्पो से 100 एमएल की 742 बोतलें (कुल 74.200 लीटर) कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद की गई। इसके अलावा, तस्करी में प्रयुक्त टेम्पो, पांच मोबाइल फोन और 6,500 रुपये नकद भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने इस संदर्भ में नदी थाना में काण्ड दर्ज कर NDPS Act के तहत मामला दर्ज कर लिया है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

बिहटा में युवक ने किया सुसाइड, किराए के कमरे में फंदे से लटकी थी लाश

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा में युवक ने सुसाइड कर लिया। उसकी लाश किराए के मकान में फंदे से लटकी मिली है। मृतक सीतामढ़ी के प्रेमलाल यादव का बेटा राम विश्वास कुमार यादव (24) है। जो पिज्जा की दुकान में काम करता था। बताया जा रहा कि उसने गुरुवार की सुबह दुकान खोली थी। करीब 11:30 बजे नहाने के लिए कमरे पर आया, फिर दुकान पर वापस नहीं लौटा। दुकान के कर्मचारियों ने फोन किया, पर मोबाइल स्विच ऑफ था। दुकान के कर्मचारी कमरे पर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से झांक कर देखा तो राम विश्वास की लाश फंदे से लटकी थी। जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। अभी ये क्लियर नहीं है कि उसने सुसाइड क्यों किया है। घटना श्रीरामपुर गांव की है।

परिजन को पुलिस ने सूचना दीः पुलिस ने जांच के लिए एफएसएल की टीम को भी मौके पर

- पिज्जा दुकान में काम करता था युवक

बुलाया। आसपास के लोगों से युवक के बारे में पूछताछ भी की। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच-पड़चाल शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि स्थानीय ग्रामीणों से जानकारी मिली कि श्रीरामपुर रोड के एक मकान में युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की जारी है और परिजनों को सूचना दे दी गई है।

फायरिंग मामले में खान सर से पुलिस कर रही पूछताछ

एजेंसी, पटना

पटना में खान सर के कोचिंग सेंटर पर 2 जून की रात हुए फायरिंग मामले में नया वीडियो सामने आया है। ये वीडियो ज्ञान बिंदु कोचिंग की ओर से जारी किया गया है। वीडियो में दावा किया गया है कि विवाद के दौरान फायरिंग खान सर के गार्ड ने की थी। ज्ञान बिंदु टीम के आदर्श कुमार ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में वीडियो जारी करते हुए कहा कि पूरी घटना पहले से प्लान की गई थी। फायरिंग खान सर के कहने पर की गई। उन्होंने सवाल उठाया कि वीडियो में रौशन आनंद कहीं नजर नहीं आ रहे, फिर उनकी गिरफ्तारी क्यों हुई। साथ ही खान सर की गिरफ्तारी की मांग भी की।

वहीं, वीडियो सामने आने के बाद पुलिस खान सर के कोचिंग सेंटर पहुंची और वीडियो में फायरिंग करते दिख रहे दोनों गाड्र्स को कदमकुआं थाने लेकर आई। 3 घंटे की पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने पुलिस को बताया है कि उन्होंने

खान सर के कहने पर ही फायरिंग की थी। पुलिस ने दोनों के हथियार भी सत्यापन के लिए जब्त किए हैं। इधर, खान सर से भी कोचिंग के अंदर फायरिंग मामले में पूछताछ की जा रही है।

2 जून की रात हमले के दौरान फायरिंग का आरोपः 2 जून की रात करीब 10 बजे पटना में खान सर के कोचिंग सेंटर पर हमला हुआ था। आरोप है कि कुछ लोगों ने कोचिंग सेंटर के गार्ड की पिटाई की, परिसर में पत्थरबाजी की और खान सर के पोस्टर-बैनर फाड़ दिए। घटना की सूचना मिलने पर खान सर मौके पर पहुंचे। उन्होंने शुरुआत में दावा किया था कि हमलावरों ने 8 से 10 राउंड फायरिंग भी की है। हालांकि, कुछ समय बाद उन्होंने फायरिंग वाले बयान से दूरी बना ली। इसके बाद खान सर की ओर से ज्ञान बिंदु कोचिंग पर हमला

- गोली चलाने वाले दोनों गाड्र्स गिरफ्तार, बोले- टीचर के कहने पर फायरिंग की, हथियार जब्त

कराने का आरोप लगाते हुए FIR दर्ज कराई गई। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गिरफ्तारी के बाद रौशन आनंद ने आरोप लगाया था कि उन्हें झूठे मामले में फंसाया गया है और इस घटना में उनकी कोई भूमिका नहीं है। अब नए वीडियो के सामने आने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है।

वीडियो में गार्ड के साथ मारपीट करते दिखे थे लोगः बुधवार को हमला के सीसीटीवी फुटेज भी आया। वीडियो में कुछ लोग कोचिंग के गार्ड के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान ईंट-पत्थर चलाए गए और कोचिंग के पोस्टर भी फाड़ दिए गए थे।

बालू-गिट्टी सप्लाई में कमीशन को लेकर खूनी झड़प, 12 साल की बच्ची समेत 3 लोग घायल

एजेंसी, पटना

पटना जिले के खुसरूपुर थाना क्षेत्र के चैनपुर गांव में गुरुवार सुबह बालू-गिट्टी आपूर्ति में कमीशनखोरी को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान 10 से अधिक राउंड फायरिंग हुई, जिसमें 12 वर्षीय बच्ची समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, बालू-गिट्टी सप्लाई को लेकर चल रहे विवाद ने अचानक उग्र रूप ले लिया। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और फायरिंग शुरू हो गई। गोलियों की आवाज सुनते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए घरों में दुबक गए।

बच्ची समेत तीन लोग गोली लगने से घायलः फायरिंग में विकास कुमार की 12 वर्षीय बेटी नेहा कुमारी, अरुण सिंह की 50 वर्षीय पत्नी सोना देवी और रविंद्र प्रसाद के 26 वर्षीय बेटे दीपक कुमार घायल हो गए। सोना देवी के पैर में जबकि दीपक कुमार के पेट में गोली लगी है। नेहा कुमारी भी गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हुई है। घटना की सूचना मिलते ही खुसरूपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए खुसरूपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए खुसरूपुर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ गांव में कैंप कर रहे हैं। इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और

- खुसरूपुर के चैनपुर में 10 राउंड से अधिक फायरिंग

फायरिंग में शामिल आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

दहशत में ग्रामीणः दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना से चैनपुर गांव के लोग सहमे हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अचानक शुरू हुई गोलीबारी से पूरे इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई थी। कई परिवारों ने खुद को घरों में बंद कर लिया था। फिलहाल गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। फायरिंग में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विधायक अनंत सिंह के नंदवां गांव में गीदड़ का हमला

एजेंसी, पटना

पटना के मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह के पैतृक गांव नदावाँ में बुधवार को एक गीदड़ ने अचानक आतंक मचा दिया। दिनदहाड़े गांव में घुसकर उसने कई लोगों पर हमला कर दिया, जिससे छह लोग घायल हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है और लोग डर के साये में हैं।

कुछ ही मिनटों में छह लोग हुए घायलः जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय ग्रामीण अपने घरों में आराम कर रहे थे या गली-मोहल्लों में मौजूद थे। इसी दौरान खेतों की ओर से एक गीदड़ गांव में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गीदड़ असामान्य रूप से आक्रामक था और सामने आने वाले लोगों पर अचानक हमला करने लगा। ग्रामीणों ने बताया कि जब तक लोग स्थिति को समझ पाते, तब तक गीदड़ छह लोगों को काटकर घायल कर चुका था। हमले

के बाद गीदड़ खेतों की तरफ भाग गया। घायल लोगों को तत्काल बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया है।

पागल होने की आशंका, ग्रामीणों में डरः ग्रामीणों का कहना है कि गीदड़ का व्यवहार सामान्य नहीं था। जिस तरह से उसने लगातार कई लोगों पर हमला किया, उससे उसके पागल या संक्रमित होने की आशंका जताई जा रही है। रात के समय भी गीदड़ की आवाज सुनाई देने से गांव के लोग भयभीत हैं।

पटना के मॉडर्न श्मशान घाट में आज से अंत्येष्टि सेवा

एजेंसी, पटना

पटना के बांस घाट में बने हाई टेक श्मशान घाट पर आज से अंत्येष्टि सेवा शुरू हो जाएगी। इस परिसर में एक साथ लगभग 18 अंत्येष्टि की व्यवस्था की गई है, जिसमें 4 विद्युत शवदाह, 6 लकड़ी आधारित शवदाह और 8 पारंपरिक अंत्येष्टि स्थल शामिल हैं। यहां अंत्येष्टि के लिए दान और सहयोग राशि 3500 रुपए तय की गई है। यदि कोई परिवार लकड़ी या खुले में दाह संस्कार करना चाहता है, तो लकड़ी दुकान को अतिरिक्त भुगतान करना होगा।

पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा विकसित इस श्मशान घाट के संचालन की जिम्मेदारी ईशा आउटरीच संस्था को सौंपी गई है। श्रद्धांजलि और पूजा-अर्चना के लिए प्रार्थना स्थल, प्रतीक्षालय, पेयजल, स्वच्छ शौचालय, प्रकाश व्यवस्था,

पार्किंग और अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। यह श्मशान घाट 4.5 एकड़ में फैला है, जिसे 89.40 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। यह पिछले श्मशान घाट से तीन गुना बड़ा है, जो केवल 1.24 एकड़ में फैला था। मोक्ष द्वार के पास अंत्येष्टि की सामग्री मिलेगी। इसमें कपड़ा, डीप गप्स क्लोथ, लेस गप्स क्लोथ, एकरंगा क्लोथ, राम नाम पट्टी, धोती, घी, चंदन की लकड़ी, देवदार, अगरबत्ती, कपूर, गुलाब जल, पंचमेवा, साड़ी, चूना, माचिस, जौ, हवन सामग्री सहित अन्य जरूरी सामान शामिल हैं।

बढ़ता स्क्रीन टाइम बच्चों के विकास पर खतरा

एजेंसी, पटना

मोबाइल फोन, टीवी और अन्य डिजिटल उपकरणों का बढ़ता इस्तेमाल बच्चों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों में बढ़ता स्क्रीन टाइम आने वाले वर्षों में एक बड़े स्वास्थ्य संकट का कारण बन सकता है। बदलती जीवनशैली, अभिभावकों की व्यस्तता और शारीरिक गतिविधियों में कमी के कारण बच्चे तेजी से डिजिटल उपकरणों पर निर्भर होते जा रहे हैं। शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय कुमार (डीएम पेडियाट्रिक न्यूरोलॉजी) ने इस स्थिति को चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि आज कई बच्चे मोबाइल देखे बिना खाना तक नहीं खाते। अभिभावकों की व्यस्त दिनचर्या और परिवार में संवाद की कमी के कारण बच्चों का जुड़ाव अब खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों के बजाय मोबाइल फोन, टीवी और अन्य डिजिटल उपकरणों से अधिक हो गया है। पहले बच्चे अपना समय खेलकूद, दोस्तों और परिवार के साथ बिताते थे, लेकिन अब उनका अधिकांश समय स्क्रीन के सामने गुजर रहा है।

इसका असर उनके व्यवहार, भाषा विकास और सीखने की क्षमता पर साफ दिखाई दे रहा है।

कम्यूनिकेशन क्षमता हो रही प्रभावितः डॉ. कुमार ने बताया कि पहले बच्चे अपना अधिकांश समय दोस्तों के साथ खेलने, नई चीजें सीखने और परिवार के साथ बिताते थे, लेकिन अब एक बड़ा वर्ग मोबाइल स्क्रीन तक सीमित होता जा रहा है। इसका सीधा असर उनके व्यवहार, भाषा, सीखने की क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

- बोलने की क्षमता से लेकर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा असर, मानसिक और शारीरिक विकास भी डिस्टर्ब

मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा गहरा असरः डॉ. अजय कुमार ने जोर देकर कहा कि शिशु रोग विशेषज्ञ की भूमिका अब केवल बीमारी का इलाज करने तक सीमित नहीं है। बच्चों के संपूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को सुनिश्चित करना भी चिकित्सकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से स्क्रीन टाइम के खतरों को समझने और सामुदायिक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

बढ़ रही हैं मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएंः विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ते स्क्रीन टाइम का सीधा असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। लंबे समय तक मोबाइल और टीवी देखने वाले बच्चों में एंजाइटी, तनाव, नींद की समस्या, अवसाद और चिड़चिड़ापन तेजी से बढ़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अंतरराज्यीय ज्वेलरी चोरी कांड का खुलासा, नेपाल में खपाने की तैयारी कर रहा आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पश्चिम बंगाल के बर्द्धमान जिले में एक ज्वेलरी दुकान में हुई चोरी के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने पूर्वी चम्पारण के एक आरोपी को चोरी के बहुमूल्य आभूषणों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी चोरी के सामान को नेपाल में खपाने की तैयारी कर रहा था। पुलिस के अनुसार, बर्द्धमान (पश्चिम बंगाल) थाना कांड संख्या-582/26, दिनांक 20 मई 2026 को मीलपुर स्थित जीवा ज्वेलर्स का शटर काटकर अज्ञात अपराधियों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था। घटना के बाद बर्द्धमान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। स्थानीय लोगों और गुप्तचरों की सहायता से अपराधियों की पहचान की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड में संलिप्त आरोपी रोमन कुमार यादव उर्फ राजेश यादव को अठमुहान सैनिक रोड से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी झरोखर थाना क्षेत्र के विष्णुपुर गांव का निवासी है। गिरफ्तारी के दौरान उसके कब्जे से चोरी किए गए बहुमूल्य आभूषण एवं एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। बरामद आभूषणों में डायमंड जड़ित छह सोने की अंगूठियां, 11 पीस कान की बालियां तथा एक सोने की चैन शामिल है। पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि आरोपी चोरी के सामान को नेपाल में बेचने की योजना बना रहा था। पुलिस ने बरामद आभूषणों की विधिवत फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कर उन्हें जब्त कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को चोरी के सामान के साथ बर्द्धमान (पश्चिम बंगाल) पुलिस के सुपुर्द कर दिया है, जहां उसके विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में झरोखर थाना के सह-थानाध्यक्ष मो. असलम अंसारी, पीटीसी आनंद किशोर बिराजी, जिला सूचना इकाई मोतिहारी, एसटीएफ मोतिहारी, बर्द्धमान पुलिस की टीम तथा झरोखर थाना के सशस्त्र बल शामिल रहे।

हत्या की आशंका निकली निराधार, आभूषणों व नकदी के साथ महिला बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में हत्या की आशंका को लेकर की गई शिकायत जांच में झूठी साबित हुई। पुलिस ने कथित रूप से लापता महिला को मोतिहारी रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया है। उसके पास से सोने-चांदी के आभूषण एवं नकदी भी बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 1 जून 2026 को चिरैया थाना क्षेत्र के सरौगढ़ निवासी बिंदा कुशवाहा ने आवेदन देकर आशंका जताई थी कि उनकी पुत्री अर्चना कुमारी की ससुराल पक्ष द्वारा मारपीट कर हत्या की जा सकती है। आवेदन के आधार पर सनहा दर्ज कर जांच शुरू की गई। इसी दिन शाम में कल्याणपुर थाना क्षेत्र के कुंवरपुर निवासी सुनील भगत ने भी आवेदन देकर बताया कि उनकी बहू अर्चना कुमारी घर में रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी लेकर किसी के साथ फरार हो गई है। इस आवेदन पर भी सनहा दर्ज कर जांच की गई। पुलिस जांच में प्रथम दृष्टया सुनील भगत के आरोप सही पाए गए। इसके बाद उनके आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। जांच के दौरान प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अर्चना कुमारी को मोतिहारी रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया। बरामदगी के समय उसके पास से विभिन्न प्रकार के सोने-चांदी के आभूषण तथा पांच हजार रुपये नकद भी मिले। बरामद सामान में मंगलसूत्र, मांगटीका, अंगूठी, नथिया, कान की बाली, पायल, बिछिया, कमरबंद समेत अन्य आभूषण शामिल हैं। पुलिस ने सभी सामान को जब्त कर लिया है। इस कार्रवाई में कल्याणपुर थानाध्यक्ष विनीत कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक रामकुमार पासवान तथा महिला सिपाही सुप्रिया कुमारी शामिल थीं। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

डकैती कांड का 5 हजार रुपये का इनामी अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। सुगौली थाना पुलिस एवं एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में डकैती कांड के एक इनामी अपराधी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान पश्चिमी चम्पारण जिले के चनपटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत खरदेव गांव निवासी अनवर अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सुगौली थाना कांड संख्या-340/24 से संबंधित डकैती मामले में अनवर अंसारी फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर 5,000 रुपये का इनाम घोषित था। गुप्त सूचना के आधार पर सुगौली थाना पुलिस एवं एसटीएफ की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अभिलेखों के अनुसार अनवर अंसारी का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है।

उसके विरुद्ध पश्चिमी चम्पारण जिले के विभिन्न थानों में डकैती, लूट एवं एनडीपीएस एक्ट से संबंधित कई मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ चनपटिया थाना में वर्ष 2016 में डकैती के तीन अलग-अलग मामले दर्ज हैं। वहीं शिकारपुर थाना में लूट, डकैती तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत भी कई कांड दर्ज हैं। इसके अलावा बेतिया मुफ्फसिल थाना में भी डकैती के एक मामले में उसका नाम शामिल है। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधी को न्यायिक प्रक्रिया के तहत अग्रिम कार्रवाई के लिए भेज दिया है। इस गिरफ्तारी को क्षेत्र में अपराध नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

बकाया नीलाम देनदारों के विरुद्ध करें कठोर कार्रवाई- जिलाधिकारी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात की संयुक्त अध्यक्षता में गुरुवार को नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में नीलम पत्र वादों के अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। उक्त समीक्षा बैठक में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा सहित सहित सभी जिला स्तरीय नीलम पत्र पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में प्रभारी पदाधिकारी जिला नीलाम पत्र शाखा विकास कुमार के द्वारा बताया गया कि जिला में कुल 66 नीलाम पत्र पदाधिकारी हैं जिसमें 23 जिला स्तरीय, 12 अनुमंडल स्तरीय एवं 31 पदाधिकारी प्रखंड स्तरीय हैं। जिला स्तर पर लंबित वादों की संख्या 27998, अनुमंडल स्तर लंबित वादों की संख्या 18636 तथा प्रखंड स्तर पर लंबित वादों की संख्या 14018 है। जिलाभर में नीलम पत्रवाद के कुल लंबित वादों की संख्या 63116 है जिसमें 50 लाख से अधिक की राशि के बकायदाओं की संख्या 44 है, 10 लाख से 50 लाख तक के बकायादारों की संख्या 199 तथा 10 लाख तक की राशि के बकायादारों की संख्या 62873 है। पूर्वी चंपारण जिला में नीलाम पत्र वाद से संबंधित मामलों में 795 करोड़ की राशि सन्निहित है। बैठक में बताया गया कि जिला के सबसे बड़े 10 बकायेदारों को चिन्हित किया गया है जिसमें मे.मधु कान प्रोजेक्ट लिमिटेड पर 8.07 करोड़, वसुंधरा पर 5.30करोड़, मुखराम सिंह पर 5.03 करोड़, मे.रामकी राइस मिल पर 4.85 करोड़, मे.के. एम सुगर मिल पर 4.51 करोड, परफैक्टर इंटरनेशनल एक्सपोर्ट पर 4.46करोड़, पी. फुला राव पर 1.91 करोड़, नागेश्वर राव पर 1.91 करोड़, मे.महाशक्ति राइस मिल पर एक करोड़ और मे. शिव शक्ति राइस मिल पर 1.03 करोड़ रुपए का रुपए की देनदारी है। उक्त से संबंधित 5543 वादों में नीलम पत्र पदाधिकारियों के द्वारा नीलम देनदारो के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज कराते हुए गिरफ्तारी वारंट निर्गत किया गया है जबकि 641 बकायदारों के विरुद्ध कुर्की जब्ती वारंट भी निर्गत किया गया है। वहीं बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि नीलम पत्रवाद से संबंधित जो भी बकायेदार हैं उन पर किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं बरती जाए और निर्गत पत्र के आलोक में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

खुटौना हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में डॉक्टर की अनुपस्थिति से मरीज परेशान

बीएनएम @ पताही

पताही। प्रखंड क्षेत्र के खुटौना स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि केंद्र में पदस्थापित होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. श्वेता शर्मा नियमित रूप से अपने कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं रहती हैं, जिसके कारण इलाज के लिए आने वाले मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में भी शिकायत की जा चुकी है तथा स्थानीय समाचार पत्रों में खबर प्रकाशित होने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। लोगों का कहना है कि चिकित्सक अपनी सुविधा के अनुसार केंद्र पर आती-जाती हैं, जबकि निर्धारित समय पर मरीज इलाज के लिए घंटों इंतजार करते रहते हैं। ग्रामीणों के अनुसार गुरुवार को भी सुबह 11:15 बजे तक डॉ. श्वेता शर्मा स्वास्थ्य केंद्र नहीं पहुंची थीं। इस दौरान इलाज के लिए पहुंचे कई मरीजों को बिना उपचार के ही वापस लौटना पड़ा। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन चिकित्सकों की अनियमित उपस्थिति से सरकारी प्रयासों की मंशा प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने तथा स्वास्थ्य केंद्र में नियमित चिकित्सा सेवा सुनिश्चित कराने की मांग की है। उनका कहना है कि गरीब और जरूरतमंद मरीजों को समय पर इलाज मिलना चाहिए, ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। हालांकि, इस संबंध में डॉ. श्वेता शर्मा का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। उनका पक्ष मिलने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

रक्सौल अनुमंडल में मासिक क्राइम मीटिंग आयोजित, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। रक्सौल अनुमंडल अंतर्गत सभी अंचल पुलिस पदाधिकारियों एवं थाना अध्यक्षों के साथ मासिक क्राइम मीटिंग आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा विभिन्न लंबित मामलों की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) मनीष आनंद ने लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों की जांच में तेजी लाते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका निष्पादन सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अपराध नियंत्रण, वारंट एवं कुर्की के निष्पादन, फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी, शराबबंदी कानून के प्रभावी अनुपालन तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसडीपीओ ने अधिकारियों को आम जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान करने तथा पुलिसिंग को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और जनहितकारी बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के सभी संबंधित पुलिस पदाधिकारी एवं थाना अध्यक्ष उपस्थित रहे। इस दौरान अपराध नियंत्रण को और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई तथा आवश्यक रणनीति तैयार की गई।

संगठन सृजन जनसंपर्क अभियान से कांग्रेस हो रही सशक्त, 13 प्रखंडों में संगठन विस्तार तेज

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष प्रो. अखिलेश दयाल ने कहा है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा संचालित संगठन सृजन जनसंपर्क अभियान के तहत पूर्वी चंपारण जिले के 13 प्रखंडों में संगठन को मजबूत करने का कार्य तेजी से चल रहा है। इसी क्रम में उन्होंने पिछले डेढ़ माह के दौरान विभिन्न प्रखंडों का दौरा कर प्रखंडवार बैठकें आयोजित कीं। जिलाध्यक्ष प्रो. दयाल ने बताया कि अभियान के तहत जिला में प्रखंड अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से व्यापक विचार-विमर्श किया गया है। जातीय एवं सामाजिक समीकरणों के साथ सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए मजबूत और सक्रिय कांग्रेसजनों के नामों पर सहमति बनाई जा रही है। यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि 5 जून 2025 को संगठन सृजन जनसंपर्क अभियान का पोर्टल बंद हो जाएगा। ऐसे में पूर्व में मनोनीत अथवा निर्वाचित प्रखंड कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों को पुनः अध्यक्ष बनने के लिए अभियान के तहत कम-से-कम 200 सक्रिय साथियों को जोड़ना अनिवार्य किया गया है। प्रो. दयाल ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी 53 संगठनात्मक जिलों की सूची में पूर्वी चंपारण को दो संगठनात्मक जिलों मोतिहारी एवं गोविंदगंज में विभाजित किया गया है। इससे संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि तिरहुत प्रमंडल में मोतिहारी जिले को कांग्रेस के 5000 सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया था, जिसे लगभग पूरा कर लिया गया है और इसकी अंतिम प्रक्रिया जारी है। जिलाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि पूर्व में कार्यरत सभी प्रखंड अध्यक्ष, महानगर अध्यक्ष एवं नगर अध्यक्षों की समितियां 1 अप्रैल से भंग कर दी गई हैं। पुनः अध्यक्ष पद के लिए 200 सक्रिय सदस्य बनाना अनिवार्य किया गया है। इस प्रक्रिया के तहत कई प्रखंडों एवं महानगरों में नए चेहरों को अवसर मिलेगा, जिससे पंचायत, गांव और बूथ स्तर तक कांग्रेस की विचारधारा को मजबूती प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि मोतिहारी जिला कांग्रेस कमेटी का हरसंभव प्रयास है कि संगठन सृजन जनसंपर्क अभियान के क्रियान्वयन में उत्तर बिहार में मोतिहारी जिला प्रथम स्थान प्राप्त करे।

युवा संगम फेज-6 के लिए एलएनडी महाविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन, महाविद्यालय में खुशी की लहर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर स्थित एलएनडी महाविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है कि महाविद्यालय के तीन विद्यार्थियों का चयन प्रतिष्ठित युवा संगम फेज-6 कार्यक्रम के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में अदिति मुस्कान (बी.ए. तृतीय सत्र), इमरान (बी.ए. द्वितीय सत्र) तथा आदित्य कुमार (बी.ए. द्वितीय सत्र) शामिल हैं। यह कार्यक्रम आईआईटी पटना द्वारा आयोजित किया जा रहा है। बिहार राज्य से कुल 57 विद्यार्थियों का चयन इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के लिए किया गया है, जिनमें एलएनडी महाविद्यालय के इन तीन प्रतिभाशाली छात्रों ने भी अपनी जगह बनाई है। चयनित विद्यार्थियों को आईआईटी रोपड़ ले जाया जाएगा, जहां वे दस दिनों तक विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेंगे। युवा संगम कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को विभिन्न प्रदेशों की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और जीवन-शैली को नजदीक से जानने और समझने का अवसर मिलता है। दस दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, शैक्षणिक भ्रमण, संवाद सत्र और समूह गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे युवाओं में राष्ट्रीय एकता और विविधता में एकता की भावना को मजबूत किया जा सके। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल संबंधित विद्यार्थियों बल्कि पूरे महाविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि चयनित छात्र कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए महाविद्यालय और बिहार का उत्कृष्ट प्रतिनिधित्व करेंगे तथा वहां से प्राप्त अनुभवों को अन्य विद्यार्थियों के साथ भी साझा करेंगे। महाविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भी चयनित प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। युवा संगम जैसे कार्यक्रम युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सांस्कृतिक समझ और राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पॉक्सो मामले में 9 माह से फरार दो आरोपियों के घर इश्तेहार चिपकाया

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। पॉक्सो एक्ट से जुड़े एक मामले में करीब नौ माह से फरार चल रहे दो आरोपियों के घर गुरुवार को पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर इश्तेहार चिपकाया। पुलिस ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय में न्यायालय में हाजिर नहीं होने पर आगे की कानूनी कार्रवाई करते हुए कुर्की की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इश्तेहार चिपकाए गए आरोपियों में गोपालगंज जिले के नगर थाना क्षेत्र के सरया गांव निवासी टाइगर उर्फ हशन अकबर तथा तुरकौलिया थाना क्षेत्र के सेमरा बेलवतीया निवासी अफरीदी उर्फ जाहिद शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की बाजार से सामान खरीदकर अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान बभनौलिया स्कूल मोड़ के समीप कुछ लोगों ने उसे रोक लिया। पीड़िता द्वारा विरोध किए जाने पर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। शोर सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके की ओर पहुंचे, जिसके बाद आरोपित वहां से फरार हो गए। मामले में पीड़िता के बयान के आधार पर पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि माननीय न्यायालय के आदेश पर फरार आरोपियों के घर इश्तेहार चिपकाया गया है। यदि आरोपी न्यायालय में उपस्थित नहीं होते हैं तो उनके विरुद्ध कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

अपराध नियंत्रण को लेकर एसडीपीओ ने की समीक्षा बैठक, रात्रि गश्ती और वारंटियों की गिरफ्तारी के दिए निर्देश

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रवि कुमार के नेतृत्व में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर एक महत्वपूर्ण अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने तथा अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्किल इंस्पेक्टर प्रणव कुमार एवं अजय कुमार सिंह के अलावा गोविंदगंज थानाध्यक्ष राजू मिश्रा, अरेराज थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी तथा संग्रामपुर थानाध्यक्ष अनूप कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान एसडीपीओ रवि कुमार ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में रात्रि गश्ती बढ़ाने, अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने तथा लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान एसडीपीओ ने अरेराज थाना पुलिस की एक बड़ी सफलता की जानकारी भी साझा की। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में सक्रिय दो महिला चोरों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से चोरी की घटनाओं में संलिप्त एक गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। गिरफ्तार महिलाओं के पास से चोरी की गई संपत्ति भी बरामद की गई है। एसडीपीओ ने अरेराज थाना पुलिस की तत्परता और सफल कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि समाज में भय और अशांति फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध पुलिस का अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा। उन्होंने आमजन से भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

छतौनी चौक को जाममुक्त बनाने की कवायद तेज, प्रशासनिक अधिकारियों ने किया सघन निरीक्षण

» यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु सब्जी विक्रेताओं एवं बस संचालकों को दिए गए आवश्यक निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के व्यस्ततम छतौनी चौक एवं उसके आसपास के क्षेत्रों को जाम की समस्या से निजात दिलाने तथा यातायात व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से अनुमंडल पदाधिकारी सदर, मोतिहारी निशांत सिहारा ने संध्या समय नगर आयुक्त आशीष कुमार एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के साथ क्षेत्र का व्यापक एवं सघन निरीक्षण किया। उक्त निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यातायात अवरोध के प्रमुख कारणों का गहन अवलोकन किया तथा संबंधित पक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इस अवसर पर सड़क किनारे अनियंत्रित रूप से दुकान लगाने वाले सब्जी विक्रेताओं को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित एवं चिन्हित स्थलों पर ही अपनी दुकानें लगाएं।अधिकारियों ने कहा कि सड़कों के किनारे अव्यवस्थित ढंग से दुकानें लगाने से यातायात संचालन बाधित होता है और आमजन को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त बस संचालकों एवं चालकों को भी कड़ी हिदायत दी गई कि वे सड़क किनारे मनमाने तरीके से बसों का पड़ाव नहीं करें। अधिकारियों ने कहा कि सड़क पर बसों के खड़े रहने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है तथा जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। सभी बस चालकों को निर्देश दिया गया कि वे निर्धारित बस स्टैंड परिसर में ही व्यवस्थित ढंग से अपनी बसें खड़ी करें। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ एवं जनहितकारी बनाने के लिए अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। इस निरीक्षण से स्थानीय नागरिकों में शहर को जाममुक्त एवं व्यवस्थित बनाने की प्रशासनिक प्रतिबद्धता के प्रति सकारात्मक संदेश गया है।

संक्षिप्त समाचार

महात्मा गांधी सेतु पर महाजाम से तीन घंटे तक थमी रफ्तार

बीएनएम @पटना। पटना को उत्तर बिहार से जोड़ने वाले महात्मा गांधी सेतु पर गुरुवार की सुबह एक बार फिर ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। सुबह-सुबह सेतु पर ऐसा महाजाम लगा कि हजारों वाहन करीब तीन घंटे तक रेंगते रहे। पटना से हाजीपुर और हाजीपुर से पटना आने-जाने वाले यात्रियों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा। कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, छात्र, मरीज और आम यात्री जाम में फंसकर बेहाल हो गए। सुबह के समय वाहनों का दबाव अचानक बढ़ने के कारण गांधी सेतु पर यातायात की रफ्तार पूरी तरह थम गई। कई किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कहीं बसें फंसी थीं तो कहीं ट्रक, पिकअप, ऑटो और निजी वाहन धीरे-धीरे सरकते दिखाई दे रहे थे। देखते ही देखते पूरा सेतु जाम की गिरफ्त में आ गया और दोनों ओर वाहनों का सैलाब उमड़ पड़ा। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब जाम के बीच एक ट्रक और पिकअप वाहन की आपस में टक्कर हो गई। इस हादसे में पिकअप चालक घायल हो गया। दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक को तत्काल इलाज के लिए हाजीपुर वैशाली अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को भी सड़क से हटवाया, लेकिन तब तक जाम और विकराल रूप ले चुका था।जाम की खबर मिलते ही यातायात पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम हरकत में आई। विभिन्न प्वाइंटों पर पुलिस बल की तैनाती की गई और ट्रैफिक को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया गया। पुलिसकर्मी वाहनों को व्यवस्थित तरीके से निकालने में जुटे रहे, जिसके बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका।

मानसिक रूप से बीमार युवक मोबाइल टावर पर चढ़ा

बीएनएम @सीतामढ़ी, मनीहारी। सीतामढ़ी जिले के मनीहारी क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया, जब एक 20-25 वर्षीय मानसिक रूप से बीमार युवक अचानक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक को टावर पर चढ़ा देख स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया । परिजनों के अनुसार युवक पिछले 4-5 दिनों से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहा है तथा उसने खाना-पीना भी लगभग छोड़ दिया था। परिवार के लोग उसका इलाज कराने के लिए आज ही उसे रांची ले जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच वह घर से निकलकर मोबाइल टावर पर चढ़ गया। समाचार लिखे जाने तक युवक टावर पर ही मौजूद था और उसे सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास जारी थे।

पुरुषोत्तम मास में धाम करने से प्रसन्न होते हैं पूर्वज : पूर्व प्राचार्य

बीएनएम @ बगहाः बगहा अनुमंडल अंतर्गत मधुबनी प्रखंड स्थित राजकीय कृत हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज के पूर्व प्राचार्य पंडित भरत उपाध्याय ने पुरुषोत्तम मास में अयोध्या धाम में स्थित श्री राम मंदिर एवं श्री हनुमान गढ़ी का दर्शन कर कहा कि पुराणों के अनुसार पुरुषोत्तम मास में तीर्थ यात्रा करने से पुर्वज प्रसन्न होते हैं। पुरुषोत्तम मास में सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश न होने के कारण इसे मलमास या मालिन मास भी कहा जाता है। स्वामी रहित होने से यह देव- पितर आदि की पूजा तथा मंगल कर्मों के लिए त्याज्य माना गया है ।इससे लोग इसकी घोर निंदा करने लगे। तब भगवान श्री कृष्ण ने कहा- मैं इसे सर्वोपरि अपने तुल्य करता हूं! सदगुण कीर्ति ,प्रभाव ,पराक्रम भक्तों को वरदान देने का समर्थ है आदि जितने गुण मुझमें हैं उन सबको मैं पुरुषोत्तम मास को सौंप दिया हूं। भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि जिस प्रकार मैं वेदों और शास्त्रों में पुरुषोत्तम नाम से विख्यात हूं उसी प्रकार यह मलमास भी भूतल पर पुरुषोत्तम नाम से प्रसिद्ध होगा । इस अवसर पर पंडित दुर्गेश पांडेय ,पीयुष कुमार त्रिपाठी, किशन कुमार, सिंधु पांडेय, दिनेश कुमार गुप्ता ,अंजनी मिश्रा, वंदना पांडेय और अंशिका पांडेय ने भी अयोध्या धाम की परिक्रमा किया।

ओवरलोड ईंट लदे ट्रैक्टर ट्राली को किया जब्त

बीएनएम @ बगहाः बगहा पुलिस जिला के धनहा थाना की ओवरलोडिंग वाहन चालकों के विरुद्ध काफी सख्त है। गुरुवार की सुबह धनहा गौतम बुद्ध सेतु चेक पोस्ट पर विशेष जांच अभियान चलाकर ईट से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर ट्राली को जब्त किया है। धनहा थानाध्यक्ष अमीत कुमार सिंह ने बताया कि ओवरलोडिंग ट्रैक्टर ट्रॉली ईट लेकर उत्तर प्रदेश से आ रहा था। उन्होंने बताया कि ओवरलोडिंग का रिपोर्ट डीटीओ पश्चिमी चंपारण बेतिया को भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि बांसी - धनहा मुख्य पथ से ओवरलोड वाहनों का आवागमन होने की सूचना पर सुबह में विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस जांच अभियान में ईट से लदे ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रॉली को जप्त किया गया। गौरतलब हो कि चौतरवा थाना क्षेत्र के धरमकता चौक पर ओवरलोड ईट से लदे ट्रैक्टर ट्रॉली के चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई थी। ।

महीने में एक दिन राजस्व कर्मचारियों के साथ बैठक करेंगे डीसीएलआर : मंत्री

बीएनएम @ पटनाः राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने राजस्व सेवाओं को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता (डीसीएलआर) प्रत्येक माह किसी एक शनिवार को राजस्व कर्मचारियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा करेंगे। इसके लिए विभाग जल्द ही विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करेगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सारण, नवादा और भागलपुर जिलों के राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन और समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) से पहले संबंधित भूमि का सरकारी भूमि सूची से मिलान अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉ. जायसवाल ने कहा कि राज्य के सभी भूमिहीन परिवारों को वासभूमि उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र परिवारों की पहचान कर उन्हें शीघ्र भूमि उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, पात्र लाभुकों को अनुचित रूप से "अनफिट" घोषित किए जाने की शिकायतों की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी। मंत्री ने कहा कि हालिया हड़ताल के कारण कई मामलों का निष्पादन प्रभावित हुआ था, जिससे आवेदनों का दबाव बढ़ गया है। अब अधिकारियों को अतिरिक्त कार्यक्षमता के साथ काम करते हुए दाखिल-खारिज, परिमार्जन, ई-मापी तथा अन्य जनसरोकार से जुड़े मामलों का तेजी से निपटारा करना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगले 15 दिनों के भीतर लंबित मामलों के निष्पादन में उल्लेखनीय प्रगति दिखनी चाहिए। एक पखवाड़े बाद पुनः समीक्षा की जाएगी और अपेक्षित सुधार नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक में संबंधित जिलों के जिलाधिकारी, अपर समाहर्ता, डीसीएलआर एवं अंचल अधिकारियों के अलावा विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मदरसों की जांच पर भड़के राजद एमएलसी कारी सोहैब

बीएनएम @ पटना। बिहार में मदरसों की जांच को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधान पार्षद कारी सोहैब ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए मदरसों की जांच को "सियासी स्टंट" करार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय जांच के नाम पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। कारी सोहैब ने कहा कि सरकार को नई जांच की घोषणा करने से पहले दो वर्ष पूर्व कराई गई मदरसों की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पहले ही जांच कराई जा चुकी है तो उसकी रिपोर्ट आज तक सामने क्यों नहीं आई। उनके अनुसार, पुरानी जांच के निष्कर्ष बताए बिना बार-बार नई जांच की बात करना सरकार की मंशा पर सवाल खड़े करता है। राजद एमएलसी ने मदरसों की मौजूदा स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि अधिकांश मदरसे अपनी निजी जमीन पर संचालित हो रहे हैं और संसाधनों की भारी कमी से जूझ रहे हैं।

जननी पोर्टल पर स्वास्थ्य पदाधिकारियों की राज्य स्तरीय कार्यशाला शुरू

बीएनएम @ गयाजी

गयाजी। प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं की निगरानी को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से जिले में जननी पोर्टल पर स्वास्थ्य पदाधिकारियों का गुरुवार से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। बोधगया के आयोजित कार्यशाला में सभी जिलों से एसीएमओ सहित क्षेत्रीय एवं जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी मौजूद रहे। इनके साथ कुछ जिलों से सिविल सर्जन और जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी भी मौजूद रहे। जननी पोर्टल पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन यूनिसेफ तथा राज्य स्वास्थ्य समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस मौके पर राज्य स्वास्थ्य समिति से डिप्टी डायरेक्टर डॉ अरविंद कुमार राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ सरिता, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से नीलम सिंह, जयश्री दास, मोहम्मद कामिल, डॉ आदित्य कुमार सहित राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ विजय प्रकाश राय,

यूनिसेफ बिहार की सीएफओ मोनिका नीलसन, हेल्थ स्पेशलिस्ट डॉ अजय टकरू, डॉ एस रेड्डी मौजूद रहे। इस मौके पर सभी जिलों अस्पतालों और आरोग्य दिवस में मौजूद सेवाओं के डाटा पर चर्चा की गयी। कार्यशाला को संबोधित करते हुए यूनिसेफ से मोनिका नीलसन ने कहा कि जननी पोर्टल प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जननी पोर्टल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी और मूल्यांकन अधिक प्रभावी होगा। इससे लाभार्थियों को मिलने वाली सेवाओं की स्थिति का वास्तविक समय में आकलन किया जा सकेगा और जरूरत पड़ने पर त्वरित कार्रवाई भी संभव होगी। राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीक से जोड़कर आम लोगों तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाना है। जननी पोर्टल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

शिक्षिका सोनल झा ने जीता 'आई ग्लैम मिस बिहार' का खिताब, शुभचिंतकों में खुशी की लहर

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पटना में आयोजित वर्ष 2026-27 की प्रतिष्ठित "आई ग्लैम मिस बिहार" प्रतियोगिता में पश्चिम चंपारण जिले के योगापट्टी प्रखंड स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय, हरपुर बाजार की शिक्षिका सोनल झा ने मिस बिहार का खिताब अपने नाम कर जिले का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से शिक्षा जगत सहित शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। सोनल झा ने अपने आत्मविश्वास, आकर्षक व्यक्तित्व, मंच संचालन क्षमता और उत्कृष्ट प्रस्तुति के दम पर यह प्रतिष्ठित ताज हासिल किया। इससे पूर्व भी वह "मिस फेस ऑफ चंपारण" का खिताब जीत चुकी हैं। वहीं, बेतिया के सागर सलवान ने "फेस ऑफ बिहार 2026" का खिताब जीतकर जिले का मान बढ़ाया। इसके अलावा अंजली कुशवाहा को "फियरलेस ऑफ बिहार" के सम्मानजनक खिताब से

नवाजा गया। प्रतियोगिता में सफलता हासिल करने वाले प्रतिभागियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय कड़ी मेहनत, लगन, प्रतिभा और समर्पण के साथ-साथ अपने शुभचिंतकों के सहयोग को दिया। उन्होंने बताया कि यह सफलता शहर की स्पॉटलाइट संस्था की संस्थापक दिशा गुप्ता तथा सौरभ सिंह और सूयश शरण के निरंतर सहयोग, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन का भी परिणाम है। सोनल झा की इस उपलब्धि पर शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

विश्व पर्यावरण जागरूकता सप्ताह पर बैठक, तुरकौलिया झील को प्रदूषण से बचाने की अपील

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया। विश्व पर्यावरण जागरूकता सप्ताह के अवसर पर गुरुवार को टास्फार्पा कार्यालय परिसर में संस्था के महामंत्री सुमन तिवारी की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण एवं तुरकौलिया झील को प्रदूषण से बचाने पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए टास्फार्पा अध्यक्ष राजीव वर्मा ने कहा कि मोतिहारी के मोतीझील की तरह तुरकौलिया झील का पानी भी लगातार प्रदूषित हो रहा है। उन्होंने बताया कि झील के आसपास बसे कई लोगों ने अपने घरों के शौचालयों के आउटलेट पाइप सीधे झील में जोड़ दिए हैं, जिससे गंदा पानी और अपशिष्ट लगातार झील में गिर रहा है। इससे झील का जल तेजी से प्रदूषित हो रहा है। उन्होंने कहा कि झील को बचाने के लिए समाज के

सभी लोगों को आगे आना होगा। महामंत्री सुमन तिवारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में हमारी छोटी-छोटी आदतें भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जिस प्रकार लोग अपने घरों की सफाई पर ध्यान देते हैं, उसी तरह जलस्रोतों और झीलों की स्वच्छता के प्रति भी जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जल और जंगल मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं तथा इनका संरक्षण हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। सत्येंद्रनाथ तिवारी ने पर्यावरण जागरूकता अभियान को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि अधिक से अधिक लोग पर्यावरण संरक्षण के लाभों से परिचित हो सकें। उन्होंने हरे-भरे वृक्षों की कटाई रोकने की भी अपील की। कार्यक्रम का संचालन अजहर हुसैन ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन संत कुमार राय ने किया। बैठक में इनोवेटर प्रमोद स्टीफेन, ऐनुल हक, अधिवक्ता अरविंद कुमार, योगेंद्र राय सहित अन्य लोगों ने भी पर्यावरण संरक्षण और इसके महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

डुमरियाघाट पुल के समीप 342 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, ब्रेज़ा कार जब्त

बीएनएम @ डुमरियाघाट

डुमरियाघाट। डुमरियाघाट थाना पुलिस ने शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए डुमरियाघाट पुल के समीप गुरुवार को एक उजले रंग की ब्रेज़ा कार से 342 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस दौरान पुलिस ने एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सुमित कुमार, पिता–श्याम सिंह, निवासी–लक्कड़पुर, फरीदाबाद (हरियाणा) के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर कार में छिपाकर रखी गई कुल 342 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शराब की एक बड़ी खेप डुमरियाघाट क्षेत्र से होकर गुजरने वाली है। सूचना के आधार पर डुमरियाघाट पुल के पास वाहन

जांच अभियान चलाया गया। इसी क्रम में संदिग्ध ब्रेज़ा कार को रोककर जांच की गई, जिसमें भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब एवं प्रयुक्त वाहन को जब्त कर लिया है तथा गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है। इस मामले में डुमरियाघाट थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। साथ ही शराब तस्करी के नेटवर्क

से जुड़े अन्य लोगों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

आदर्श संहिता उल्लंघन मामले में पहली कार्रवाई

निर्वाचन आयोग ने प्रधानमंत्री के बांसवाड़ा में दिए भाषण पर भाजपा से जवाब मांगा है। कांग्रेस और वामदलों ने नरेन्द्र मोदी के भाषण को विभाजनकारी और महाहानिकर बताते हुए आयोग से शिकायत की थी। इसी पर संज्ञान लेते हुए आयोग ने नोटिस दिया है। किसी पदेन प्रधानमंत्री के विरु द्ध आदर्श संहिता उल्लंघन मामले में यह पहली कार्रवाई है। आयोग का अपनी याददाश्त के आधार पर ऐसा दावा है। दूसरी तरफ, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनकी पार्टी के नेता राहुल गांधी के विरु द्ध भाजपा की शिकायतों पर जवाब मांगा गया है। ये जवाब 29 अप्रैल तक दिए जाने हैं। इस तरह से आयोग ने निष्पक्षता एवं पारदर्शिता का एक कठिन पड़ाव पार कर लिया है। उसे इसका श्रेय मिलना चाहिए कि उसने संहिता उल्लंघन पर प्रधानमंत्री तक को नहीं बख्शा। यह आरोप भी कमजोर हुआ है कि आयोग विपक्ष और कमजोर दलों के नेता को ही निर्देशित करने में आगे रहता है। पर उसका निर्णायक इम्तिहान दोनों दलों के जवाब पर की जाने वाली कार्रवाई में होगा जो आयोग की शक्ति और क्षेत्र को परिभाषित करने वाला होगा। सार्वजनिक जीवन में गरिमा-मर्यादा और नियम-कायदे का आग्रही तबके ही नहीं, पूरे देश ने देखा-सुना कि बांसवाड़ा में और फिर अलीगढ़ तक में खास समुदाय और धर्म के लोगों के बारे में क्या-क्या न कहा गया। माना कि चुनाव बाद एक प्रधानमंत्री के रूप में आप समुदाय-धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करते पर यही भाव चुनावी सभाओं में भी रहना बुरा नहीं होता। यह सामान्य जन अपेक्षा है कि प्रधानमंत्री को तमाम विभाजनों और दोष-रेखाओं से ऊपर होना चाहिए। तब आयोग को भी रिकार्ड बनाने का मौका नहीं मिलता। चुनाव की घोषणा करते हुए आयोग ने भाषणों में सभ्यता के निर्वाह का अनुरोध दलों से किया था, जिसका पालन किसी ने नहीं किया। विपक्ष में स्थितिजन्य आक्रामकता स्वाभाविक ही होती है। सत्ता अपने व्यवहार से उसको परिमार्जित करती है। खरगे और राहुल सरकार की नीतियों की आलोचना के अधिकार के प्रयोग में सभ्यता भूलते रहे हैं। वे न केवल प्रधानमंत्री को निजी स्तर चोट पहुंचाने वाली भाषा का धड़ल्ले से प्रयोग करते सुने-देखे गए हैं, बल्कि तू-तड़ाक पर भी उतर आए हैं। यह भी रिकार्ड है कि नरेन्द्र मोदी देश के सर्वाधिक आलोच्य प्रधानमंत्री हैं। अगर यही एक परिपक्व लोकतंत्र की भाषा है तो यह वाकई बेहद पीड़ादायक परिदृश्य है।

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

ललित गर्ग

(विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 पर विशेष)

5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है।कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है। पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए

और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है। फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए। दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

तालमेल और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता

प्रो. लल्लन प्रसाद

गेहूं और सरसों की फैसल तैयार है, मंडियों में खरीदारी शुरू हो गई है। कुछ मंडियों में सुचारू रूप से खरीदारी हो रही है किंतु ऐसी बहुत सी मंडियां हैं, जहां किसानों को परेशानियां झेलनी पड़ रही है।

कहीं बारिश और ओले के कारण खेत में अनाज गीला हो गया है तो कहीं मंडी में खुले आसमान के नीचे। किसान की गाढ़ी कमाई पर पानी फिर रहा है, अधिकारी नम माल लेने से मना कर रहे हैं।

मंडियों में अव्यवस्था के कारण किसान का सब्र टूट रहा है और कुछ जगहों पर किसानों ने अपना रोष भी प्रकट किया है। अनेक मंडियों में उठान की स्थिति खराब है, शेड में, बाहर सड़क पर माल पड़ा है, टोकन काटने की व्यवस्था ठीक नहीं है। कभी-कभी मंडी के आगे मीलों लंबी लाइन लग जाती है, रात रात भर किसान को जागकर अपने माल की सुरक्षा करनी पड़ती है। मूलभूत सुविधाओं जैसे पीने का स्वच्छ पानी, शौचालय और साफ-सफाई का अभाव है। मंडी को जाने वाली सड़कों में गड्ढे, अवैध रूप से खड़े वाहन और आवारा पशु, जगह-जगह जाम की समस्या से किसानों को जूझना पड़ता है। कुछ मंडियों में कंप्यूटर ऑपरेटर और स्टाफ की कमी है तो कुछ में तौल के लिए कांटे की व्यवस्था भी समय पर नहीं हो पाई। आवश्यक मात्रा में बारदानों (कट्टों) का अभाव भी परेशानी का कारण बन जाता है। यद्यपि सभी मंडियों में ऐसी अव्यवस्था नहीं है किंतु काफी संख्या में ऐसे मंडी है जहां व्यवस्था सुधार की एवं मंडी प्रबंधकों और सरकारी विभाग के बीच तालमेल और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि किसान आसानी से अपनी फसल बेच सकें। अनाज की खरीद के सीजन में मंडियों से जो रिपोर्ट आ रही हैं वे चिंताजनक हैं। चरखी दादरी में पहले ही दिन मंडी में हजारों किसान फसल लेकर पहुंचे, लंबी लाइन लग गई, किसानों के वाहन घंटों जाम में फंसे रहे, पुलिस और प्रशासन को स्थिति संभालने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी। बैकडोर से टोकन लेने और व्यापारियों के वाहनों को बैकडोर से एंट्री देने के आरोप लगे। रोहतक की एक मंडी में किसानों को मजबूरी में अपनी फसल प्राइवेट कंपनियों को बेचने के आरोप लगे। ओला और बे मौसम बारिश की वजह से वहां फसल खराब हुई, अधिकारी फसल में नमी के कारण खरीद नहीं कर रहे थे। सोनीपत के गन्नौर में मंडी सेक्रेटरी और अधिकारियों की मिलीभगत से किसानों को जो नुकसान हुआ उससे उनमें जबरदस्त रोष था, मंडी पर उन्होंने ताला लगा दिया। पोर्टल पर फसल रजिस्ट्रेशन करवाने में भी धांधली के आरोप लगे। जहां किसान की 5 से 6 एकड़ का रजिस्ट्रेशन था वहां अधिकारी 1 से 2 एकड़ का माल ही खरीद रहे थे। भिवानी की एक मंडी में हजारों क्विंटल सरसों खरीद के बाद कट्टों में पड़ी बारिश में भीग गई, बचाव का कोई इंतजाम नहीं था। पूरी मंडी पानी से तरबतर थी, फसल की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। मौसम खराब होने की आशंका से किसानों ने भारी मजदूरी देकर समय से फसल कटवा दिया था और अब जब फसल लेकर मंडी पहुंचे तो वहां मौसम की मार झेलनी पड़ी। सरसों का रंग भूरा हो गया और उसकी गुणवत्ता कम हो गई। सिरसा की मंडी में उठान की स्थिति बेहद खराब रिपोर्ट की गई। उठान के लिए एजेंसियों का चुनाव समय से नहीं हुआ। गेहूं की आवक एकाएक बढ़ जाने से अधिकारियों के हाथ पैर फूलने लगे, टोकन काटने के लिए पर्याप्त मात्रा में कर्मचारी नहीं थे, ना ही पूरे कंप्यूटर ऑपरेटर। नियमानुसार फसल उठान ट्रकों द्वारा किया जाना चाहिए किंतु एजेंसी ट्रैक्टर-ट्राली द्वारा करा रही है जो सस्ती पड़ती है। यह तब हो रहा है जब ट्रैक्टर के कमर्शियल उपयोग पर रोक लगी हुई है। पंजाब की मंडियों में फसल पहुंच रही है, लेकिन खरीद का पुख्ता इंतजाम बहुत कम मंडियों में है।

'मेरी फसल मेरा ब्योरा0 के तहत प्रदेश के 9.25 लाख किसानों ने फसल बेचने के लिए 6.45 लाख एकड़ का पंजीकरण कराया। आरोप लगाया जा रहा है कि 10. 40 एकड़ रकबा ऐसा है, जिसका डेटा मिसमैच कर रहा है। मध्य प्रदेश के कई मंडियों में समय से उठान न होने से आवारा पशुओं से अनाज की रक्षा के लिए किसान रात रात भर जाकर अपने फसल की रक्षा करते हैं। अवैध रूप से ट्रक खड़े रहते हैं, मंडी को जोड़ने वाली सड़कों में गड्ढे, सफाई की कमी और मंडी में अतिक्रमण जैसी अव्यवस्था से किसान जूझ रहे हैं।

देश के लगभग सभी प्रदेशों में मंडियों की व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले वर्ष इन्हीं दिनों दिल्ली की नरेला मंडी, जो एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी है, उसमें करोड़ों रु पए का अनाज भीग गया था, बारिश से बचाव का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं था। मंडियों में व्यवस्था के खिलाफ आढ़तियों की अपनी शिकायतें हैं। उनका मानना है कि उन्हें जो आढ़त मिलती है वह कम हैं, उनके खर्चे पूरे नहीं होते, उसमें बढ़ोतरी होनी चाहिए। मंडी के श्रमिकों के पारिश्रमिक के बारे में भी सरकार को विचार करना चाहिए खाद्य पदाथरे और जीवन की आवश्यकता की वस्तुओं की कीमतें दिनों-दिन बढ़ रही है श्रमिकों की मजदूरी भी बढ़ाई जानी चाहिए। किसानों को मंडी में अपनी मेहनत का पूरा पैसा मिले इसके लिए आवश्यक है कि निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दर पर खरीद ना की जाए। जहां अनाज में नमी उनकी गलती से ना हो उसके लिए उन्हें क्यों दंडित किया जाए? मंडियों में मूलभूत सुविधाएं जैसे पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, खाने पीने की व्यवस्था और किसानों के रुकने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। मंडियों से जुड़ी सड़कों को पक्की किया जाना चाहिए जहां अभी ऐसा नहीं है। खरीद के सीजन में जाम न लगे इसकी व्यवस्था भी स्थानीय प्रशासन को पहले से ही करना चाहिए। मंडी प्रशासन चुस्त एवं भ्रष्टाचार मुक्त होना चाहिए।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आज आप में चुस्ती फुर्ती रहेगी, आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज बिना किसी मदद के भी आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे, बस आपको खुद पर विश्वास करने की जरूरत है।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। पहले से चली आ रही कोई समस्या आज सुलझ सकती है। आज आपका व्यापार अच्छा चलेगा। आज आप पुराने दोस्तों से मिलने की कोशिश करेंगे। आज आपके मदद की जरूरत के समय कोई ऐसा व्यक्ति आपकी मदद करेगा जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए व्यस्ताता से भरा हो सकता हैं। आज आपका दिन दोस्तों और परिवार के साथ बीतेगा। आपको कोई बड़ा काम निपटाने की जिम्मेदारी मिल सकती है जिसे पूरा करने के लिए आप खूब मेहनत करेंगे। आपके द्वारा किये गये काम के कारण आज समाज में आपको सम्मान मिल सकता है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज निजी जीवन में सकारात्मकता लाने की कोशिश करेंगे और इसके लिए आप किसी महापुरुष का अनुशरण करेंगे। आपकी ज्यादातर योजनाएं पूरी हो सकती है। आज लोगों से मिलने और बात करने में खुशी महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्ते में तालमेल बना रहेगा।

सिंह राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपके शत्रु परास्त होंगे। अगर आप नया वाहन लेने का विचार कर रहे है तो परिवार वालों से आपको मदद मिल सकती है। काम के प्रति मेहनत देख कर आपके जूनियर आपसे सीखने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपके रिश्तों में नई चेतना का संचार होगा। स्टूडेंट्स को करियर से संबंधित अच्छे मौके मिलेंगे। नये लक्ष्य को निर्धारित करने के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपसे कोई मदद मांग सकता है। आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। किसी काम के लिए आज आप कई बड़े फैसले ले सकते हैं। पिता अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कुछ ठोस कदम उठा सकते हैं।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए दिन शुभ होने वाला है। जो भी नया करना है, आज पूरा करने का निश्चय करेंगे। आज आप घर की जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निपटा सकते हैं और कामकाज निपटाने में आप बहुत हद तक सफल भी रहेंगे। आज अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा साथ ही धैर्य और विनम्रता रखें।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा होने वाला है। आज आपके धार्मिक गतिविधि में भी शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा हो सकता है। आज आप जरूरी काम और रिश्तों के बारे में विचार करेंगे और नयी योजना बनाएंगे। आज आप दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर सेंसिटिव हो सकते हैं। आज जॉब सम्बन्धी परेशानी खत्म होने के योग हैं। आज आपका काम में मन लगा रहेगा पिता के सहयोग से सफलता मिल सकती है।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे। आज पुरानी देनदारी भी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिलेगी। आज कोई भी कार्य करते समय धैर्य और समझदारी रखें। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। मेहनत, धैर्य और समझदारी से काम निपटा लेंगे। आपके पास बहुत-सी जिम्मेदारियां हो सकती हैं। धैर्य से काम लेंगे तो काम आसानी से पूरा हो जायेगा। आज का दिन आपके लिए दिन संतोषजनक साबित होगा। आज रोजगार में स्थितियां पहले से ठीक होने के योग है।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का मन बनाकर चलेंगे। आज कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। आज आपको पुरानी बातें भी याद आ सकती हैं। आज व्यापारिक मामलों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए किसी से बात हो सकती है। इसमें आपको सफलता भी मिलेगी। आज आप अपने करियर को बेहतर बनाने के लिये किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज आज कोई महत्वपूर्ण काम निपट सकते हैं। आज आपके सोच में सकारात्मक बदलाव आयेगा।

पर्यावरण को बचाने की जरुरत

संजय गोस्वामी

पर्यावरण शब्द परि और आवरण की सन्धि से बना है। पृथ्वी पर रहने वाले सारे जीव इसी आवरण में उत्पन्न होते हैं, फलते-फूलते हैं, तथा मृत्यु के पश्चात् इसी में विलीन हो जाते हैं। जीवों का शरीर पृथ्वी, जल, अग्नि, पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। माता पूज्यनीय होती है और पृथ्वी तो माता की भी माता है अतः वह भी पूज्यनीय है। इसीलिए हमारे ऋषियों ने पृथ्वी की पूजा के लिए सभी वेदों में अनेकों मन्त्र बनाये हैं और पृथ्वी के लिए हमें अपना जीवन तक बलिदान करने की शिक्षा दिया है। हमारे ऋषि वायु की शुद्धता की महिमा से भी परिचित थे। इसीलिए उन्होंने पवन को देवता माना और ऑक्सीजन को प्राण वायु कहा है। उन्होंने वायु की शुद्धता बनाये रखने के लिए कई प्रकार के यज्ञों का विधान भी बनाया था। इसी प्रकार अग्नि को भी देवता माना गया है। ऋग्वेद में अग्नि की पूजा बार-बार की गयी है। अग्नि ही नहीं प्रकृति के हर घटक से, जो कि हमें जीवन और आरोग्य प्रदान करते हैं, देवता मान कर उन्हें पूजा गया है। हमारे ऋषियों ने हमें पर्वतों, ग्रहों, सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी, पत्थर, पेड़, वायु, जल सभी को पूजने और आदर करने की शिक्षा दिया है। कालान्तर में मानव ने अपने विज्ञान का दुरुपयोग करते हुए अपने पोषण के अतिरिक्त अपने निहित स्वार्थ, अहंकार और अपने को प्रभावशाली सिद्ध करने के लिए प्रकृति का दोहन आरम्भ कर दिया। अधिक से अधिक विलासिता पूर्ण जीवन की इच्छा ने उसे हिन्सक बना दिया। उसने घर, वस्त्र, वाहन इत्यादि के लिए जंगलों, पर्वतों, भूगर्भ-स्थित खनिजों, जल इत्यादि का दुरुपयोग इतना अधिक कर दिया कि सन्सार के पेड़ों की संख्या अरबों गुना कम हो गयी। पर्वतों को तोड़ डाला, भूगर्भ-स्थित खनिजों का इतना दोहन किया कि आने वाली पीढ़ी के लिए कुछ भी नहीं छोड़ा।जनसंख्या विस्फोट, औद्योगीकरण, शहरीकरण, वनविनाश, अत्यधिक चराई, झूम कृषि तथा खनन गतिविधियाँ भूमि संसाधनों के क्षरण के प्रमुख कारण हैं। इनके अतिरिक्त रासायनिक उर्वरकों एवं पेस्टीसाइड्स पर आधारित पारम्परिक कृषि भी भूमि क्षरण का एक प्रमुख कारण है। हरित क्रान्ति के आगमन से कृषि उत्पादन में वृद्धि के लिए रासायनिक खादों, कीटनाशकों तथा शाकनाशकों के अंधाधुन्ध प्रयोग से न केवल वातावरण प्रदूषित हुआ है, अपितु भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने वाले सूक्ष्मजीवों की जनसंख्या में भी लगातार गिरावट दर्ज की गयी है जिससे मृदा की पैदावार शक्ति में कमी आयी है। अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों विशेषकर यूरिया के प्रयोग से भूमि अम्लीय हो जाती है। अम्लीय मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों जैसे कापर तथा जिंक पौधों को उपलब्ध नही हो पाते हैं। इसके अतिरिक्त इस प्रकार की मृदा में आमतौर से कैल्शियम तथा पोटैशियम तत्वों का अभाव होता है। इसलिए इस प्रकार की मृदा में फसल की पैदावार में गिरावट आ जाती है। खेती के लिए मृदा का नैसर्गिक स्रोत पृथ्वी की सतह भूमि है। हमारे देश में सामान्यतः कृषि भूमि से अनुमन्य भूक्षरण की दर लगभग 7.5 टन प्रति हैक्टेयर प्रति वर्ष है, परन्तु वर्तमान दर लगभग 20-30 टन प्रति हैक्टेयर प्रति वर्ष तक पहुँच गयी है, जिसमें अधिकतम योगदान पर्वतीय क्षेत्रों का है। यह एक चिन्ता का विषय है जिसके लिए तुरन्त मृदा संरक्षण के उपयुक्त उपाय प्रयोग करना अत्यावश्यक है। मृदा पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत है जो कि जीवन बनाये रखने में सक्षम है| किसानों के लिए मृदा का बहुत अधिक महत्व होता है, क्योंकि किसान इसी मृदा से प्रत्येक वर्ष स्वस्थ व अच्छी फसल की पैदावार पर आश्रित होते हैं| बहते हुए जल या वायु के प्रवाह द्वारा मृदा के पृथक्कीकरण तथा एक स्थान से दूसर स्थान तक स्थानान्तरण को ही मृदा अपरदन से प्रभावित लगभग 150 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्रफल है जिसमें से 69 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्रफल अपरदन की गंभीर स्थिति की श्रेणी में रखा गया है| मृदा की ऊपरी सतह का प्रत्येक वर्ष अपरदन द्वारा लगभग 5334 मिलियन टन से भी अधिक क्षय हो रहा| देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 57% भाग मृदा ह्रास के विभिन्न प्रक्ररों से ग्रस्त है| जिसका 45% जल अपरदन से तथा शेष 12% भाग वायु अपरदन से प्रभावित है भारत एक कृषि प्रधान देश है,| भोजन हमारी मूलभूत आवश्यकता है। देश में 'हरित क्रांति' के माध्यम से कृषि उत्पादन में आशातीत वृद्धि हुई, किन्तु 'जनसंख्या विस्फोट' के कारण भोजन की समस्या आज भी बनी हुई है। खाद्यान्न पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। भूमि एक अत्यन्त ही महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन जो हमें अच्छा भोजन प्रदान करती है। कुपोषण से निजात के लिए सभी पौष्टिक तत्व से युक्त अच्छा आहार बहूत ज़रूरी है अच्छा आहार अच्छी फसल, तथा सुरक्षित मिट्टी व उपजाऊ भूमि से मिलता है। मिट्टी का कटाव ऊपरी मिट्टी को हटा देता है जो कार्बनिक पदार्थ, पोषक तत्वों, सूक्ष्म जीवों के लिए जरूरी होता है, जिनके लिए पौधों को बढ़ने और उगने में मदद करता है। संरक्षण एक ऐसा कदम है जो मिटटी की शक्ति को नष्ट होने से बचाता है। मृदा प्रदूषण कृषि भूमि पर कीटनाशकों और उर्वरकों की अधिकता के कारण फैलता है। पौधों के विकास और पनपने के लिए स्वस्थ मिट्टी महत्वपूर्ण है। मिट्टी के संरक्षण के लिए कई तरीके हैं जो कि आप कृषि पद्धतियों या उपायों के माध्यम से किया जा सकता है। अनुकूली क्षमता के निर्माण में योजनाबद्ध अनुकूलन का व्यापक महत्त्व है। आवासीय और वाणिज्यिक भवनों के लिये पैसिव कूलिंग प्रौद्योगिकी 'अर्बन हीट आइलैंड' की समस्या को कम करने हेतु एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करती है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल की एक रिपोर्ट में इस प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाले प्राचीन भारतीय भवन डिज़ाइनों का हवाला दिया गया है, जिनका उपयोग आधुनिक भवनों में भी किया जा सकता है। आपदा प्रत्यास्थी अवसंरचना के अंतर्गत आश्रय गृहों, तटीय तटबंधों और बाढ़ प्रतिरोधी इमारतों एवं सड़कों के निर्माण के माध्यम से आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना का विकास करना शामिल है। इसके साथ ही, उपयुक्त और कुशल मौसम पूर्वानुमान एवं पूर्व चेतावनी प्रणाली का विकास करना भी आवश्यक है इस प्रकार, जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल होने के सीमित साधन रखने वाले लोगों के कल्याण के लिये किये जाने वाले प्रयासों के परिणामस्वरूप सीमित बजट और निम्न आर्थिक विकास जैसे परिणाम उत्पन्न हो सकते हैं।स्वच्छ और हरित ऊर्जा का विकास जीवाश्म ईंधन के बोझ को दूर करने और वायु प्रदूषण को कम करने में मदद कर सकता है। नई पारगमन प्रणालियों का विकास और मौजूदा प्रणालियों के विस्तार से भी रोज़गार में तेज़ी आ सकती है।भारत की राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान रिपोर्ट वर्ष 2030 तक स्वच्छ ऊर्जा से 35 प्रतिशत ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखती है। आबादी के बढ़ने के कारण जंगल के पेड़-पौधें, चारे और मकान आदि के लिए काटे जा रहे हैं। खेती के योग्य भूमि धीरे-धीरे बंजर और रेगिस्तान में बदलती जा रही है। बढ़ती हुई जनंसख्या के लिए अधिक अन्न एवं अधिक अन्नोत्पादन के लिए नए-नए तरीके, रासायनिक खाद, कीटनाशक दवाओं का अधिक प्रयोग किए जाने से फसल तो बढ़ती है परन्तु इनके बार-बार प्रयोग किये जाने के कारण प्रदूषण भी बढ़ता है। वातावरण में विभिन्न प्रकार के प्रदूषकों को जोड़कर जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देता है। अपशिष्ट गैसीकरण जैसे अपशिष्ट-चयनात्मक प्रबंधन संयंत्रों का विकास इस समस्या का समाधान कर सकेगा।इन संयंत्रों की अवसंरचना का निर्माण और उनका भविष्य का रखरखाव कुशल श्रमिकों के लिये रोज़गार के नए अवसर प्रदान करेगा। इस समस्या के समाधान के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने जून 1972 में स्टाकहोम में एक सम्मेलन आयोजित किया था। भारत सहित विश्व के सभी प्रमुख देशों ने इसमें भाग लिया था। इस सम्मेलन में यह निश्चित किया गया था कि पर्यावरण संरक्षण और सुधार के लिए सभी देशों को समुचित कदम उठाना चाहिए। इसके अन्तर्गत भारत सरकार ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 पारित किया था। इस अधिनियम का उद्देश्य था कि पर्यावरण का संरक्षण तथा सुधार किया जाए। इसके लिए इस अधिनियम में अनेकों बार सुधार करके इसे और भी शक्तिशाली बनाया गया। इस अधिनियम में पर्यावरण के घटकों को प्रदूषित करने वालों को दंडित करने का प्रावधान भी किया गया है। सभी कारणों से आज प्रकृति का सन्तुलन इतना बिगड़ गया है कि यदि यही क्रम कुछ और वर्षों तक चलता रहा तो इस पृथ्वी से मानव के विलुप्त होने की आशंका दृष्टिगोचर होने लगेगी। जलवायु परिवर्तन के कारण पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों का स्वास्थ्य और अस्तित्व आज संकट में आ गया है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एकदिवसीय विश्वकप और एशेज को देखते हुए अगले साल कमिंस का आईपीएल खेलना संदिग्ध

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि वह अगले साल व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम को देखते हुए शायद ही आईपीएल खेलें। कमिंस के अनुसार उनकी पहली प्राथमिकता ऑस्ट्रेलियाई टीम से खेलना है। ऐसे में साल 2027 में एकदिवसीय विश्वकप कप और एशेज सीरीज को देखते हुए वह आईपीएल से दूरी बना सकते हैं। कमिंस के अनुसार वह टेस्ट मैच और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए उनकी लिए फिटनेस बनाये रखना जरुरी है। ऐसे में वह कार्यभार प्रबंधन को सबसे ज्यादा जरुरी मानने है। वहीं आईपीएल में खेलने से थकान ओर चोटिल होने का खतरा बना रहता है। कमिंस अभी अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले घरेलू टेस्ट मैच से पहले अपनी फिटनेस पर ध्यान दे रहे हैं। इसके बाद, अगले एक

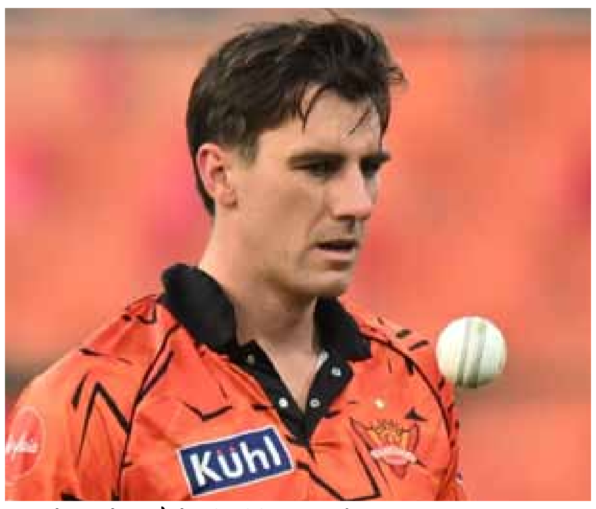

साल में 21 टेस्ट मैचों की सीरीज होगी, जिसमें आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में क्वालीफाई करने का अवसर भी रहेगा। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम को दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के खिलाफ खेलना हैं। ऑस्ट्रेलिया का यह व्यस्त कार्यक्रम 2027 में एकदिवसीय विश्व कप के साथ समाप्त होगा। वहीं मार्च में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच भी होगा। इसी बीच आईपीएल भी पड़ेगा। इसके बाद इंग्लैंड में एशेज सीरीज खेली जाएगी। कमिंस ऑस्ट्रेलिया के लिए सीरीज को जीतना चाहते हैं। इसका कारण है कि टीम ने साल 2001 के बाद से ही कोई सीरीज नहीं जीती है।

कमिंस ने कहा कि फिटनेस बनाये रखने के लिए न किसी स्तर पर कुछ न कुछ छोड़ना ही पड़ेगा और वह टेस्ट मैच या एकदिवसीय विश्व कप तो नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, मैं समय आने पर ही फैसला लूंगा और आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ मिलकर देखूंगा कि क्या सही रहेगा। हालात बदल सकते हैं। मुझे कुछ चोटें भी लगी हैं, इसलिए मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह चाहता। हालांकि उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता हमेशा से ही टेस्ट मैच और एकदिवसय विश्व कप ही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के खिलाफ घर से दूर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के बाद उन्हें बेहद कठिन एशेज सीरीज से पहले आराम की जरूरत पड़ सकती है।

बीसीसीआई बैठक में होगा सूर्यकुमार की कप्तानी पर फैसला, वैभव को शामिल करने पर भी होगा विचार

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समित की बैठक इस शनिवार को होने जा रही है। इसमें अजित अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति कप्तान सूर्यकुमार यादव के भविष्य को लेकर फैसला करेंगी। इस बैठक में तय होगा कि सूर्या आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैचों के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों में कप्तान रहेंगे या नहीं। इसके अलावा इसी बैठक में सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीमों का चयन किया जाएगा। इस बैठम में 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को टी20 टीम में शामिल किये जाने पर भी बात होगी। जहां तक सूर्यकुमार की कप्तानी की बात है। पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। आईपीएल में भी वह रनों के लिए जूझते दिखे। ये सही है कि उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप जीतकर उसे बरकरार रखा पर इसमें उनका योगदान बेहद कम रहा। सूर्यकुमार की कमजोर बल्लेबाजी लगातार निशाने पर रही। का आईपीएल 2026 में, उन्होंने 13 पारियों में केवल 270 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 20.76 और स्ट्राइक रेट 147.54 का रहा है। वहीं टी20 विश्व कप में वह नौ पारियों में 242 रन बना पाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट गिरकर 136.72 तक पहुंच गया। सूर्यकुमार का नाम एशियन गेम्स के लिए घोषित 30

संभावित नामों में भी शामिल नहीं हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या चयनकर्ता आने वाली कुछ सीरीज के लिए किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी का मौका देंगे, या सूर्यकुमार को अनुभव के लिए केवल एक खिलाड़ी के तौर पर टीम में बनाए रखा जाएगा, खासकर जब उन्होंने 2028 ओलंपिक में खेलने की इच्छा जताई है। दूसरी ओर, 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपने पहले पूरे आईपीएल सत्र में अपनी बल्लेबाजी से सबको प्रभावित किया है। वैभव की क्वालीफायर मुकाबलों में खेली गयी पारी से भी चयनकर्ता काफी प्रभावित हुए हैं। अब देखना होगा कि उन्हें अंतिम ग्यारह में कैसे शामिल किया जाए क्योंकि अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और ईशान किशन अच्छे प्रदर्शन के कारण पहले से ही टीम में शामिल हैं! वहीं मध्यक्रम में जगह बनाने के लिए, श्रेयस अय्यर और रजत पाटीदार दोनों ही मजबूत दावेदार हैं। पिछले दो आईपीएल सीजन में दोनों ने अपनी टीमों की शानदार कप्तानी की है। पाटीदार ने इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जिताया है जबकि श्रेयस ने 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया था।

44 की उम्र में क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट से वापसी कर रही सेरेना

एजेंसी, न्यूजर्सी

अमेरिकी की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स 44 साल की उम्र में एक बार फिर टेनिस कोर्ट में वापसी करने जा रही हैं। सेरेन ने अपनी अंतिम टूर्नामेंट चार साल पहले 2022 में खेला था यूएस ओपन 2022 में अपना आखिरी पेशेवर एकल मैच खेलने के बाद से ही सेरेना खेल से दूर हैं हालांकि उन्होंने अधिकारिक रुप से संन्यास की घोषणा नहीं की थी और कहा था कि वह बेहतर होने के लिए खेल से दूर हुई है। वहीं अब सेरेना ने 8 जून से लंदन में होने वाले

क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट में खेलने की घोषणा की है। ये विंबलडन के लिए अभ्यास टूर्नामेंट माना जाता है। सेरेना की वापसी की घोषणा के बाद से ही उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है। सेरेना के नाम ओपन युग में महिला एकल में रिकॉर्ड 23 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। सेरेने ने अमेरिकी ओपन 2022 को अपना अंतिम टूर्नामेंट बताया था, यह कहते हुए कि वह खेल से दूर एक नए अध्याय की शुरुआत करना चाहती हैं। हालांकि, उन्होंने संन्यास की घोषणा नहीं की थी जिससे उनकी वापसी की अटकलें हमेशा बनी रहीं। सेरेना अमेरिकी ओपन में तब तीसरे दौर में हार गई थीं हालांकि अब वह एक बार फिर कोर्ट पर वापसी के लिए तैयार हैं जो उनके भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर विराम लग गया है। क्वींस क्लब में अपनी वापसी की घोषणा करते हुए, विलियम्स ने कहा, क्वींस क्लब इस नए अध्याय की शुरुआत के लिए एकदम सही जगह लगती है।

क्रिकेट के बदलते स्वरूप के अनुसार ढलना होगा: सचिन

एजेंसी, मुम्बई। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने युवा खिलाड़ियों से कहा है कि उन्हें आगे बढ़ना है तो खेल के बदलते स्वरुप के हिसाब से ढ़लना होगा। तेंदुलकर के अनुसार आज हर प्रारुप बदलता जा रहा है ऐसे में खिलाड़ियों को अपने अंदाज में भी बदलाव लाना होगा तभी वे टीम को जीत दिला सकेंगे। तेंदुलकर ने कहा कि आधुनिक खेल में नियम और प्रारुप तेजी से बदल रहा है और जो खिलाड़ी इससे अनुसार ढ़ल जाएगा। वही लंबे समय तक खेल सकता है। इसलिए ज़रूरी है कि उभरते खिलाड़ी इसके लिए तैयार रहें। अन्होंने कहा , एक बल्लेबाज के लिए सभी प्रारुपों में ढलने के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण चीज है वह है बैकलिफ्टहै। उन्होंने साथ ही कहा कि जो इसपर नियंत्रित करना सीख जाता है, वह सभी प्रारुपों में सफल हो सकता है। इसका कारण है कि टेस्ट क्रिकेट में कई चीजों की परीक्षा होती है। ऐसे में हालात के अनुकूल ढ़लना होता है। टी20 में आक्रामक खेल की जरुरत होती है। वहीं एकदिवसीय इन दोनों के बीच का प्रारुप है। सचिन ने कहा इन हालातों में मेरा मानना है जो खिलाड़ी का सम्मान करता है और उसी के अनुसार बल्लेबाजी करता है। वह उस खिलाड़ी से कहीं बेहतर है जो अधिक प्रतिभाशाली होने केक बाद भी हालात को मानने को तैयार नहीं होता और अपने अनुसार खेलता है।

टी20 विश्व कप में भारतीय टीम जीतेगी खिताब : अंजुम चोपड़ा

एजेंसी, अहमदाबाद

पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आगामी टी20 विश्व कप में खिताब की प्रबल दावेदार बताया है। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड में शुरु होने जा रहा है। अंजुम के अनुसार भारतीय टीम इंग्लैंड के हालातों से परिचित है और ऐसे में उसके लिए वहां खेलना और जीत हासिल करना कठिन नहीं होंगा। एकदिवसीय विश्वप में भारतीय टीम ने जीत हासिल कर अपने को साबित किया था। अब वह एक बार फिर ऐसा ही करेगी। भारतीय टीम

14 जून को बर्मिंघम में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। चोपड़ा ने कहा कि टीम की अधिकतर खिलाड़ी पहले भी इंग्लैंड में खेली हैं, जिससे उन्हें वहां के हालातों का अच्छा अनुभव है। उन्होंने नंदिनी शर्मा और श्री चरणी जैसे खिलाड़ियों का विशेष उल्लेख किया, जिनमें से श्री चरणी अपने छोटे से करियर में ही दूसरी बार इंग्लैंड का दौरा कर रही हैं। पूर्व कप्तान को भरोस है कि भारतीय टीम शीर्ष चार में जगह बनाने के साथ ही शीर्ष दो में भी पहुंचकर खिताब जीतेगी। टूर्नामेंट से पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया के फिट होने से भी टीम मजबूत हुई है।

बिजनेस

लगातार तीसरे दिन सपाट स्तर पर सर्राफा बाजार, सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन आज सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना भी आज बुधवार के भाव पर ही यानी 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,56,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,56,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में निचले स्तर से रिकवरी का रुख, हरे निशान में पहुंचे सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान निचले स्तर से रिकवरी होती हुई नजर आ रही है। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई । बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव पड़ने पर सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की कमजोरी और बढ़ गई। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इन दोनों सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। आज 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से अदानी एंटरप्राइजेज, एटरनल, टाइटन कंपनी, टेक महिंद्रा और अदानी पोर्ट्स के शेयर 1.53 प्रतिशत से लेकर 0.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, ट्रेंट लिमिटेड, टीएमपीवी, आयशर मोटर्स, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयर 2.38 प्रतिशत से लेकर 1.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ तापमान करते हुए नजर आ रहे थे।

दुनिया का सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य बनकर उभर रहा भारत: पीयूष गोयल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत, दुनिया के सबसे भरोसेमंद निवेश स्थलों में से एक के रूप में उभरा है और आने वाले कई दशकों तक सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के लिए तैयार है। गोयल ने मुंबई में आयोजित सिटी इंडिया सम्मेलन 2026 को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में उन विशाल निवेश अवसरों पर भी प्रकाश डाला, जो भारत दुनिया को प्रदान करता है। उन्होंने वैश्विक निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए किए जा रहे मोदी सरकार के प्रयासों का ज़िक्र किया।

उन्होंने भारत की आर्थिक मजबूती, बढ़ते मैन्युफैक्चरिंग बेस, इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और व्यापार समझौतों के बढ़ते नेटवर्क को निवेशकों के भरोसे के मुख्य आधार के तौर पर गिनाया। गोयल ने कहा कि कनाडा और अमेरिका में निवेशकों और बिजनेस लीडर्स के साथ उनकी हाल की बातचीत से भारत में दुनियाभर की गहरी दिलचस्पी का पता चलता है। कई लोग भारत को एक भरोसेमंद पार्टनर और मैन्युफैक्चरिंग के लिए विश्वसनीय वैकल्पिक केंद्र के तौर पर देखते हैं। 'उन्होंने भारत के दुनिया के सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य के रूप में उभरने पर प्रकाश डाला और विनिर्माण, व्यापार करने में सुगमता, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी को अपनाने तथा वैश्विक व्यापारिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों की रूपरेखा प्रस्तुत की। टोरंटो और न्यूयॉर्क की अपनी यात्राओं के दौरान हुई चर्चाओं का जिक्र करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे, कानून के शासन, तकनीकी क्षमताओं और बड़े उपभोक्ता बाज़ार के कारण दीर्घकालिक वैश्विक पूंजी का रुझान तेजी से भारत की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित भारत-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को निवेशकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जबकि दुनिया की प्रमुख निवेश फर्मों के साथ हुई बैठकों ने भारत की विकास संभावनाओं में विश्वास को और मजबूत किया। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले साढ़े तीन वर्षों में नौ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं, जिनमें 38 विकसित अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। इन समझौतों से बाज़ार तक पहुंच बढ़ाने, निवेश को आसान बनाने और प्रतिभाओं के आवागमन को बढ़ावा देने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौता 01 जून से लागू हो गया है और संकेत दिया कि आने वाले महीनों में कई और व्यापार समझौते भी लागू होने की उम्मीद है। गोयल ने कहा कि भारत प्रतिस्पर्धी रूप से डिज़ाइन और निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों, वस्तुओं और सेवाओं के माध्यम से अपार क्षमता, संभावना और लाभप्रदता प्रदान करता है। उन्होंने दोहराया कि भारत वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बना हुआ है और विश्वास व्यक्त किया कि 1.4 अरब भारतीयों तथा अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के प्रयासों से समर्थित भारतीय अर्थव्यवस्था, 21वीं सदी की सबसे निर्णायक और महत्वपूर्ण विकास गाथा के रूप में उभरेगी।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ वाह केमिकल्स का आईपीओ, आठ जून तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले केमिकल का उत्पादन करने वाली कंपनी वाह केमिकल्स का 13.45 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में आठ जून तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद नौ जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 10 जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 11 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 60 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज

2,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 22.42 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 1.14 लाख शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.46 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.46 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.08 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए मारवाड़ी चंदाराणा इंटरमीडियरीज ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। वाह केमिकल्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

आरबीआई के जून एमपीसी फैसले का शुक्रवार सुबह 10 बजे ऐलान करेंगे संजय मल्होत्रा

एजेंसी, नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक समीक्षा बैठक के फैसले का ऐलान शुक्रवार सुबह 10 बजे गवर्नर संजय मल्होत्रा करेंगे। हालांकि, आरबीआई की नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में इस बार भी बदलाव की संभावना कम है। आरबीआई ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि रिजर्व बैंक अपनी तीन दिवसीय मौद्रिक नीति की समीक्ष बैठक के नतीजों की घोषणा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में छह सदस्यीय एमपीसी पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच गिरती मुद्रा, ईंधन संकट, ब्याज दरों, महंगाई के दृष्टिकोण और आर्थिक विकास की संभावनाओं की समीक्षा 3 जून से कर रही है। रिजर्व बैंक के मुताबिक एमपीसी की जून महीने की तीन दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक 3 जून से 5 जून तक चलेगी। आरबीआई गवर्नर इसके नीतिगत निर्णय की जानकारी शुक्रवार सुबह 10 बजे देंगे, जिसके बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा दोपहर 12 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। केंद्रीय बैंक के मुताबिक मौद्रिक नीति वक्तव्य और मौद्रिक नीति के बाद होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस की लाइव स्ट्रीम के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके https://youtube.com/live/9u3MtqbdZ44?feature=share आप जुड़ सकते हैं।

केंद्र सरकार ने एनएचपीसी में अपनी हिस्सेदारी बेचकर जुटाए 4,300 करोड़ रुपये

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र का 'नवरत्न' उपक्रम एनएचपीसी लिमिटेड में बिक्री पेशकश (ओएफएस) के आखिरी दिन बुधवार को अपनी हिस्सेदारी बेचकर लगभग 4,300 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 60.27 करोड़ शेयरों के बिक्री पेशकश (ओएफएस) के मुकाबले कुल 151.33 करोड़ शेयरों के लिए बोली प्राप्त हुई। इस ओएफएस में सरकार की तीन फीसदी हिस्सेदारी की पेशकश शामिल थी, जबकि तीन फीसदी ग्रीन शू विकल्प यानी अतिरिक्त बोली आने पर उसे अपने पास रखने का विकल्प रखा गया था। सरकार ने सोमवार को घोषणा की थी कि वह एनएचपीसी लिमिटेड में छह फीसदी तक की हिस्सेदारी 'ऑफर फॉर सेल' ओएफएस के जरिए बेचेगी। इसके लिए न्यूनतम मूल्य ब्रिकी मूल्य 71 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में किसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का यह तीसरा ओएफएस था। पिछले हफ़्ते सरकार ने ओएफस के जरिए कोल इंडिया में 2 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 5,542 करोड़ रुपये जुटाए। वहीं, मई में उसने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में 8.08 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 2,266 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस तरह कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक विनिवेश से सरकार को मिली रकम 7,808 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में विनिवेश और एसेट मोनेटाइजेशन के जरिए 80 हजार करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के संशोधित बजट अनुमानों के अनुसार 33,837 करोड़ रुपये से दोगुने से भी ज़्यादा है।

अनुष्का शर्मा को डॉक्टर ने कहा 'अनपढ़'

होम्योपैथी का सपोर्ट करने पर बवाल, यूजर्स ने भी खूब लताड़ा

अनुष्का शर्मा इस वक्त मुश्किल में घिर गई हैं और सोशल मीडिया पर यूजर्स के निशाने पर आ गई हैं। दरअसल, उन्होंने हाल ही होम्योपैथी के समर्थन में एक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसी पोस्ट पर जहां कुछ लोग अनुष्का के सपोर्ट में आ गए, तो वहीं कुछ ने उनकी आलोचना शुरू कर दी। अनुष्का के होम्योपैथी से जुड़ा पोस्ट शेयर करने पर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। यही नहीं, एक लविर स्पेशलस्टि डॉक्टर ने तो एक्ट्रेस को 'अनपढ़' तक कह दिया है। जानिए पूरा मामला क्या है और लोग क्या कुछ बोल रहे हैं: दरअसल, अनुष्का शर्मा ने हाल ही इंस्टाग्राम स्टोरी पर मशहूर होम्योपैथिक डॉक्टर राजन शंकरन का पॉपुलर एंटरप्रेन्योर और 'शार्क टैंक जज' नमिता थापर के साथ बातचीत का एक वीडियो शेयर किया। साथ में एक्ट्रेस ने लिखा कि होम्योपैथी ने उनकी जिंदगी में अहम रोल प्ले किया है। साथ ही उन्होंने हेल्थ और वेलनेस को लेकर डॉ. राजन शंकरन की अप्रोच की भी तारीफ की। लेकिन इसी पर अनुष्का विवादों में घिर गई हैं। अनुष्का ने जहां हाल ही IPL में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के बाद पति विराट कोहली संग 'विक्ट्री डांस' और फिर प्रेमानंद जी महाराज से मुलाकात के कारण सुर्खियां बटोरी थीं, वहीं अब वह विवादों में हैं। अनुष्का शर्मा ने डॉ. शंकरन और नमिता थापर की बातचीत का वीडियो शेयर कर इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'होम्योपैथी ने मेरी जिंदगी में अहम रोल प्ले किया है। यह मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा रहा है। और डॉ. राजन शंकरन उस जर्नी का अहम हिस्सा रहे हैं। हेल्थ और माइंडफुल लिविंग पर मैं उनकी गरही समझ को बहुत अहमियत देती हूं।' वीडियो में चर्चा के दौरान, राजन शंकरन ने तर्क दिया कि होम्योपैथी को एक व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए और स्वीकार किया कि हर चिकित्सा प्रणाली में लिमिटेशंस हैं। होम्योपैथी बीमारियों का इलाज नहीं करती, यह लोगों का इलाज करती है। लोगों का इलाज करके यह उन्हें स्वस्थ करती है। मनुष्य के स्वस्थ होने से, उसकी बीमारी भी ठीक हो जाती है। होम्योपैथी हर किसी का इलाज कर सकती है। लेकिन क्या यह हर किसी को ठीक कर सकती है? हर प्रणाली की तरह इसकी भी सीमाएं हैं।' इसी पर यूजर्स दो गुटों में बंट गए। कुछ ने अनुष्का का सपोर्ट किया और कुछ बिफर गए। एक यूजर ने अनुष्का का पोस्ट शेयर कर X पर लिखा, 'सबसे पहले तो मुझे लगता है कि अनुष्का को आयुर्वेद को बढ़ावा देना चाहिए था, जो होम्योपैथी नामक इस जर्मन छद्म विज्ञान से कहीं बेहतर है। आयुर्वेद भले ही वैज्ञानिक रूप से सटीक न हो, लेकिन कम से कम प्रकृति और प्राकृतिक चीजों की ओर झुकाव रखता है। होम्योपैथी तो बस डायल्यूट पानी पीना और शुगर की गोलियां खाना है।' एक यूजर ने लिखा, 'और अनुष्का ने अपने इंस्टाग्राम पर 67 मिलियन लोगों के लिए होम्योपैथी प्रमोट कर दी। मैं देखना चाहूंगा कि वो अपने बच्चों को डॉक्टर के बजाय होम्योपैथी पर लेकर जाएं।' हिपेटोलॉजिस्ट Cyriac Abby Philips, जो द लिवर डॉक के नाम से मशहूर हैं, उन्होंने भी डॉ. शंकरन के अलावा नमिता थापर और अनुष्का शर्मा पर गुस्सा निकाला। लिवर डॉक हमेशा से होम्योपैथी के आलोचक रहे हैं। उन्होंने तीनों को शर्मनाक, सप्लिमेंट सप्लायर, झोलाछाप डॉक्टर और अनपढ़ सेलिब्रिटी कहा। उन्होंने लिखा, 'जब एक वेलनेस फ्रॉड, दूसरे हेल्थकेयर फ्रॉड से मिलता है और फिर इत्तेफाक से एक सेलिब्रिटी इन दोनों को एंडोर्स करता है, है तो हमें ट्रायएंगल ऑफ शेम मिलता है।' 'ऐसे छद्म विज्ञान को बढ़ावा न दें जो मनुष्यों की मृत्यु का कारण बनता हो एक अन्य यूजर ने लिखा, 'विराट कोहली की बीवी अब भारतीयों को होम्योपैथी की सलाह दे रही है। देश में फ्रॉड बाबा काफी नहीं थे, जो अब वह भारतीयों के बीच एक अनसाइंटिफिक और फ्रॉड दवा को प्रमोट कर रही हैं।' कई यूजर्स ने कहा कि अब वो अनुष्का शर्मा के फैन नहीं, वहीं कुछ ने एक्ट्रेस का सपोर्ट किया और अपने निजी अनुभव शेयर कर बताया कि होम्योपैथी से उन्हें कितना फायदा मिला है। हालांकि, इस पूरे विवाद पर अभी तक अनुष्का शर्मा की तरफ से कोई रिएक्शन नहीं आया है।

हर समस्या का समाधान अधिक वर्कआउट नहीं होता : तापसी पन्नू

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने सुंदरता के तय मानकों को और अधिक कठोर बना दिया है। विशेषकर महिलाओं के बीच फ्लैट पेट और जीरो फिगर हासिल करने की चाहत तेजी से बढ़ी है। अभिनेत्री तापसी पन्नू ने इस विषय पर खुलकर अपनी राय रखी है और महिलाओं से अपने शरीर को स्वीकार करने की अपील की है। तापसी पन्नू ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक संदेश में बताया कि एक समय ऐसा था जब वह भी पूरी तरह सपाट पेट पाने की इच्छा रखती थीं। उन्होंने कहा कि बचपन से ही वह फिट रही हैं और नियमित रूप से व्यायाम करती रही हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके पेट के निचले हिस्से में थोड़ा फैट बना रहता था। उस समय उन्हें समझ नहीं आता था कि लगातार मेहनत करने के बावजूद यह हिस्सा वैसा क्यों नहीं दिखता जैसा वह चाहती थीं। इसी वजह से उन्होंने जरूरत से अधिक व्यायाम करना शुरू कर दिया था। अभिनेत्री ने कहा कि बाद में उन्हें एहसास हुआ कि हर समस्या का समाधान अधिक वर्कआउट नहीं होता। कई बार शरीर को उसकी क्षमता से अधिक मेहनत करवाने पर वह इसे तनाव या खतरे की स्थिति मानने लगता है। ऐसी अवस्था में शरीर खुद को सुरक्षित रखने के लिए पानी जमा करना शुरू कर देता है। इसके कारण पेट के निचले हिस्से में सूजन या उभार दिखाई दे सकता है। उन्होंने कहा कि लोग अक्सर इसे केवल अतिरिक्त चर्बी समझ लेते हैं, जबकि कई बार इसकी वजह शरीर में पानी का रुकना भी होता है। जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज करने से यह स्थिति और गंभीर हो सकती है। तापसी ने महिलाओं को यह भी समझाने की कोशिश की कि हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है और सभी की शारीरिक संरचना एक जैसी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि महिलाओं के शरीर में हार्मोनल बदलाव लगातार होते रहते हैं, जिसका असर शरीर की बनावट और आकार पर भी पड़ता है। ऐसे में यह उम्मीद करना कि शरीर हर दिन बिल्कुल एक जैसा दिखेगा, वास्तविकता से दूर है। अभिनेत्री ने अपनी न्यूट्रिशनिस्ट मुनमुन गनेरीवाल की सलाह का हवाला देते हुए बताया कि महिलाओं के पेट के निचले हिस्से में थोड़ी मात्रा में फैट और पानी का होना स्वाभाविक और जरूरी माना जाता है।

पंचायत 3 की रिलीज डेट पर सस्पेंस खत्म

28 मई को अमेजन प्राइम पर होगी स्ट्रीम

जितेंद्र कुमार स्टारर मोस्ट अवेटेड वेब सीरीज पंचायत वापस आ गई है, फैंस का इंतजार अब खत्म होने वाला है. इसके पहले दो सीजन की सफलता के बाद, निर्माताओं ने पंचायत सीजन 3 की रिलीज की तारीख के बारे में रोमांचक खबर का खुलासा किया है. हाल ही में एक अनाउंसमेंट में, मेकर्स ने सोमवार 29 अप्रैल को एक टीजर वीडियो जारी किया, जिससे सीरीज की वापसी के बारे में अटकलों का बाजार गर्म हो गया. जानकारी के अनुसार, आगामी सीजन की प्रीमियर डेट 28 मई, 2024 तय की गई है. जानकारी के अनुसार, आगामी सीजन की प्रीमियर तिथि 28 मई, 2024 निर्धारित की गई है. इस खुलासे के साथ, फैंस अपने कैलेंडर को चिह्नित कर सकते हैं और पंचायत की दिल को छू लेने वाली लेकिन हास्यपूर्ण दुनिया में एक और मनोरंजक यात्रा के लिए तैयार हो सकते हैं. उत्तर प्रदेश के फुलेरा गांव की बैकग्राउंड पर आधारित 'पंचायत ड्रामा, हास्य और जीवन के कुछ अंशों को बयां करने वाली कहानी का एक आकर्षक मिश्रण प्रस्तुत करता है. जितेंद्र कुमार के साथ, इस सीरीज़ में रघुबीर यादव, फैसल मलिक, संविका और नीना गुप्ता जैसे कई बेहतरीन कलाकार हैं, जो शो के आकर्षण और अपील में अपना योगदान देते हैं. 28 मई की उल्टी गिनती शुरू होने के साथ ही, फैंस उम्मीद कर सकते हैं कि 'पंचायत सीजन 3 हंसी, भावनाओं और दिल को छू लेने वाले पलों की एक और खुराक लेकर आएगा.

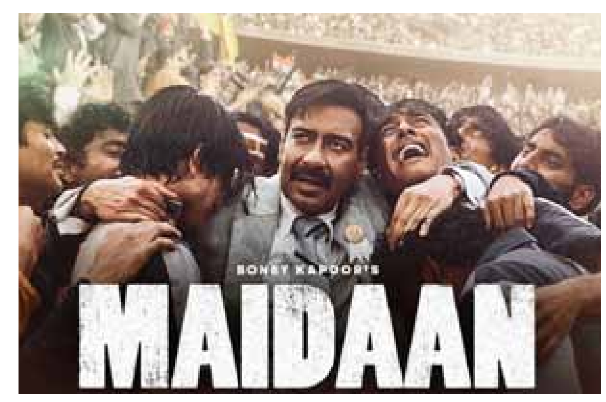

फिल्म मैदान ने 21वें दिन लगाई लंबी छलांग, कर डाला करोड़ों में कलेक्शन, बड़े मियां छोटे मियां की हालत खराब

अजय देवगन की 'मैदान और अक्षय-टाइगर की 'बड़े मियां छोटे मियां को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 21 दिन हो चुके हैं. ये फिल्में 'रुस्लान, 'दो और दो प्यार और 'मैं लड़ेगा जैसी कई नई रिलीज फिल्मों के बीच भी कारोबार कर रही हैं. हालांकि इन दोनों की कमाई की रफ्तार भी बेहद धीमी है. चलिए यहां जानते हैं 'मैदान और 'बड़े मियां छोटे मियां ने रिलीज के 21वें दिन कितना कलेक्शन किया है? 'बड़े मियां छोटे मियां एक्शन से भरपूर फिल्म है. अक्षय और टाइगर ने रिलीज से पहले फिल्म का जबरदस्त प्रमोशन भी किया था. जिसके बाद लग रहा था कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा देगी. लेकिन रिलीज के बाद सारी बाजी ही पलट गई. अक्षय और टाइगर ने फिल्म में जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस तो किए लेकिन फिल्म की कमजोर कहानी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच नहीं पाई और ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई. 350 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म को रिलीज हुए तीन हफ्ते पूरे होने वाले हैं लेकिन ये अभी तक 100 करोड़ का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई है. फिल्म की कमाई की बात करें तो 'बड़े मियां छोटे मियां का पहले हफ्ते का कलेक्शन 49.9 करोड़ रुपये और दूसरे हफ्ते की कमाई 8.6 करोड़ रुपये रही .वहीं इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे हफ्ते के तीसरे मंडे 40 लाख और तीसरे मंगलवार 45 लाख का कलेक्शन किया. अब 'बड़े मियां छोटे मियां की रिलीज के तीसरे बुधवार यानी 21वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'बड़े मियां छोटे मियां ने रिलीज के 21वें दिन 50 लाख की कमाई की है. इसी के साथ 'बड़े मियां छोटे मियां का 21 दिनों का कुल कलेक्शन अब 62.05 करोड़ रुपये हो गया है. अजय देवगन की 'मैदान स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है. ये मूवी देश के शानदार फुटबॉल कोट सैयद अब्दुल रहीम की बायोपिक है जिन्होंने भारतीय टीम को अंतरराष्ट्री मंच पर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी और देश को गर्व करने का मौका दिया था. 'मैदान की इंस्पायरिंग कहानी की खूब तारीफ हो रही है लेकिन कमाई के मामले में ये फिल्म भी रिलीज के पहले ही दिन से फुस्स साबित हुई. हालांकि तीसरे हफ्ते में 'मैदान के कारोबार में तेजी भी देखी जा रही है. 'मैदान के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले हफ्ते में 28.35 करोड़ और दूसरे हफ्ते में 9.95 करोड़ की कमाई की थी.

इंतजार खत्म! अदिवी शेष-मृणाल ठाकुर की 'डकैत' की हिंदी रिलीज कंफर्म

अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर स्टारर फिल्म 'डकैत एक प्रेम कथा' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी थी, जिसके बाद इसे जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज कर दिया गया था लेकिन इसके साथ ही एक ट्विस्ट था कि फिल्म को साउथ की भाषाओं तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया. अब हिंदी दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट रही और वो इंतजार अब खत्म हो गया है. फिल्म के हिंदी वर्जन के रिलीज का ऐलान कर दिया गया है. दरअसल, डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने फिल्म 'डकैत एक प्रेम कथा' के हिंदी में ओटीटी रिलीज को कंफर्म किया है. डायरेक्टर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करके इसकी रिलीज का ऐलान किया है. डायरेक्टर ने एक दिन पहले ही फिल्म के हिंदी वर्जन के ओटीटी रिलीज का ऐलान किया. उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर करने के साथ ही कैप्शन लिखा, 'प्यार में बदला या प्यार से बदला.' इतना ही नहीं, अनुराग कश्यप ने फिल्म के पोस्टर के साथ ही कैप्शन में ही फिल्म के हिंदी वर्जन के ओटीटी रिलीज की डेट भी रिवील की है. अनुराग कश्यप की पोस्ट के मुताबिक, इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर हिंदी में देख सकते हैं. इसकी स्ट्रीमिंग 5 जून, 2026 को की जाएगी. गौरतलब है कि अदिवी सेष और मृणाल ठाकुर स्टारर फिल्म 'डकैत' बॉक्स ऑफिस पर खास कमाई नहीं कर पाई थी. आलम ये था कि ये बजट तक वसूल नहीं पाई. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म का बजट 65 करोड़ था जबकि इसका इंडिया नेट कलेक्शन 36.69 करोड़ रहा. ओवरसीज में 13.58 करोड़ और इंडिया ग्रॉस कलेक्शन 56.14 करोड़ रहा. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी. वहीं, ओटीटी पर साउथ की भाषाओं में पहले आई तो भी ये खास परफॉर्म नहीं कर पाई. अब इसके बाद ये हिंदी में दस्तक दे रही है.

दीपिका पादुकोण ने सिंघम अगेन के सेट पर कलाकारों के साथ दिए पोज, एक्ट्रेस को दिया खास तोहफा

बी टाउन एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण, जो इस साल के अंत में पति रणवीर सिंह के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहीं हैं। बता दें कि इन दिनों वो फिल्म 'सिंघम अगेन की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म से दीपिका ने रोहित शेट्टी द्वारा बनाई गई पुलिस जगत में कदम रखा है और वह शक्ति शेट्टी के किरदार में नजर आएंगी। अब हाल ही में, फिल्म के सेट पर कुछ सह-कलाकारों के साथ दीपिका की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं है। उन्हें उनसे स्केच के रूप में एक सरप्राइज गिफ्ट भी मिला। हाल ही में, आगामी फिल्म सिंघम अगेन के एक कलाकार ने इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के साथ एक प्यारी तस्वीर शेयर की। फोटो में दीपिका दो लड़कियों के साथ सेल्फी लेती नजर आईं, जो उनके कॉस्ट्यूम में सजी हुई थीं। दीपिका ने अपनी नेचुरल ब्यूटी को दिखाते हुए नो-मेकअप लुक में नजर आने वाला लुक दिया था। पोस्ट में एक स्केच की झलक भी थी, जिसे लड़कियों ने दीपिका को उपहार में दिया था। पोस्ट के साथ, कलाकार ने कैप्शन में अपनी भावनाओं को कलमबद्ध किया। उन्होंने दीपिका के प्रति अपने लगाव का खुलासा किया और उनके साथ काम करने के अनुभव पर भी चर्चा की। कैप्शन में लिखा, दीपिका पादुकोण द ओनली लेडी सिंघम। आपसे मिलकर खुशी हुई मैम। मेरे जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक। आपके साथ काम करने के लिए बहुत भाग्यशाली महसूस किया।

गर्मियों में शरीर को भरपूर हाइड्रेशन और ठंडक दे सकते हैं तरबूज के ये 5 पेय

गर्मियों में आने वाले फलों में से एक तरबूज में भरपूर पानी और कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जिस वजह से पोषण विशेषज्ञ इसे डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। हालांकि, अगर आपका बच्चा या घर में से कोई व्यक्ति तरबूज का सेवन करना पसंद नहीं करता है तो आप इस फल को स्वादिष्ट पेय का रूप देकर उन्हें इसके फायदे दे सकते हैं। आइए आज हम आपको तरबूज के विभिन्न पेय की रेसिपी बताते हैं।

तरबूज लेमनेड: इसके लिए पहले एक जग में तरबूज का रस और थोड़ा नींबू का रस मिलाएं। अब एक सॉस पैन में चीनी और एक कप पानी उबालें। जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो इसे तरबूज वाले मिश्रण में मिलाएं।इसके बाद इसे गिलास में भरें और बर्फ के कुछ टुकड़े डालकर इसका आनंद लें।यह पेय इम्यूनिटी को बढ़ावा देने और पाचन को सुधारने में भी मदद कर सकता है। यहां जानिए गर्मियों के लिए लाभदायक अन्य पेय।

तरबूज की स्मूदी : सबसे पहले मिक्सी में तरबूज के टुकड़े, दूध और बर्फ को डालकर अच्छे से ब्लेंड करें, फिर इसे परोसें।अगर आप दूध का इस्तेमाल करना पसंद नहीं करते हैं तो योगर्ट से स्मूदी तैयार कर सकते हैं।इसके अतिरिक्त आप इस स्मूदी को नारियल पानी, बर्फ और थोड़े सोडे के साथ भी इसे बना सकते हैं। बस इसमें अधिक तरबूज के टुकड़े डालें।यहां जानिए त्वचा के लिए लाभदायक स्मूदी की रेसिपी और उसके फायदे।

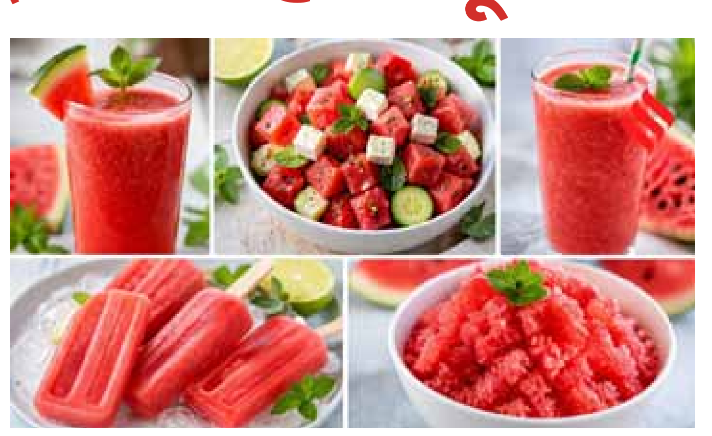

तरबूज मोजितो: यह मीठे-रसदार तरबूज, खट्टे नींबू और ताजे पुदीने का एक उत्तम मिश्रण है।इसे बनाने के लिए तरबूज के टुकड़ों को अच्छे से ब्लेंड करें और फिर इसे छान लें।अब एक गिलास में नींबू का रस, पुदीने के पत्ते और थोड़ी-सी चीनी या शहद डालकर अच्छे से मिलाएं, फिर इसमें बर्फ डालें और इसके ऊपर तरबूज का रस डालें।इसके बाद गिलास में सोडा पानी डालें, फिर इसमें तरबूज के कुछ छोटे टुकड़े डालकर इन्हें परोसें।

वॉटरमेलन चिया कूलर: इसे बनाने के लिए सबसे पहले तरबूज (बीज निकले हुए) को मिक्सी में पीस लें।अब इसे एक गिलास में छानकर नींबू के रस के साथ मिलाएं, फिर गिलास में थोड़ा काला नमक, बारीक कटी पुदीने की पत्तियां (वैकल्पिक) और शुगर सीरप (स्वादानुसार) मिलाएं।अंत में इसमें ठंडा पानी और चिया सीड्स डालें, फिर इस स्वादिष्ट पेय का आनंद लें।

तरबूज का फ्लेवर वॉटर: इसे बनाने के लिए सबसे पहले जार में तरबूज के छोटे-छोटे टुकड़े, थोड़ा सा नींबू का रस और तुलसी की ताजा पत्तियां डालें।अब इसमें ठंडा पानी और कुछ बर्फ के टुकड़े डालें। यकीनन यह आपको बहुत पसंद आएगा।आप चाहें तो ऐसे ही आइस्ड टी बना सकते हैं, बस इस मिश्रण में ग्रीन टी को बनाकर और ठंडा करके इसमें मिलाएं। यहां जानिए अन्य फ्लेवर वॉटर की रेसिपी।

Speculation mounts over TMC's MPs, its heft in INDIA bloc

New Delhi, Agency: As TMC faces its biggest crisis in West Bengal, there is growing speculation over the future of its contingent of MPs in Lok Sabha and Rajya Sabha, the impact developments in Bengal will have on the heft of the second largest opposition party within INDIA bloc and its overall ramifications on Opposition's capacity to take on the govt, especially as the Mamata Banerjee-led party has been a most vociferous critic of BJP-led NDA govt at Centre.How the split within TMC in West Bengal following its defeat in state polls plays out at national level will be keenly watched in the coming days.

Significantly, INDIA bloc is scheduled to meet after a long gap on June 8. According to party sources, Mamata Banerjee and Abhishek Banerjee plan to attend the meeting for now and rally support from the Opposition camp amid the latest developments.

On a day TMC split for the first time in its 28-year history, Delhi circles were abuzz with talk of whether the former CM will be able to keep all her MPs together and not end up witnessing what has transpired in West Bengal. Most senior MPs Media reached out to either chose not to respond or were tight-lipped about the situation. A senior leader, however, emphasised that it was crucial at this stage for party MPs to stand united in Parliament and outside. The TMC has 28 MPs in Lok Sabha and 13 in Rajya Sabha.

While refusing to make any comment on whether party members see the rebellion in state to be a reflection on TMC leadership, a senior leader chose to train his guns at BJP for going after opposition parties through "Operation Lotus", a term used by its political opponents to describe the saffron party's alleged strategy to engineer defections.

According to sources, given the fast evolving situation, TMC chairperson, party general secretary Abhishek Banerjee and other senior leaders were huddled in a long meeting "to decide on the next course of action", with the need to keep the flock together in Parliament being a key concern.

NIA raids ex-TMC MLA's house in Bengal pre-poll bomb blast probe'

New Delhi, Agency: The National Investigation Agency (NIA) on Thursday conducted searches and questioning at the residence of former Trinamool Congress MLA Saokat Molla in the South Bamunia area of Bhangar as part of its probe into a bomb blast that took place shortly before the West Bengal assembly elections and claimed one life.

The investigation was transferred to the NIA following demands for a central inquiry into the explosion. Since assuming charge of the case, the agency has arrested several people, including TMC leader Wahidul Islam.

Officials from a special NIA team arrived at Molla's residence to gather information and examine possible links to the case. During the operation, Molla's wife and daughter were seen entering the premises.

Separately, the NIA had on April 27 taken over an investigation into the recovery of crude bombs in West Bengal after examining the matter from a possible terror angle. The agency registered a fresh FIR, numbered RC-25/2026/NIA/DLI, after receiving directions from the Ministry of Home Affairs.

"In pursuance of the MHA order, the NIA has taken over and registered a case related to the recovery of crude bombs in West Bengal. The case pertains to the recovery of 79 crude bombs and other incriminating materials by Kolkata police, which were being stored at a spot on April 25, thereby endangering human life and property. The NIA registered the case on April 26," NIA said on Monday.

The original case, registered as FIR No. 62/2026 on April 25 at Uttar Kashipur Police Station under the Bhangar division, invoked provisions of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023, and the Explosive Substances Act, 1908. The complaint was filed after police received information about the storage of crude bombs and materials allegedly intended for their manufacture. Acting on the tip-off, police recovered 79 round-shaped objects suspected to be crude bombs, tied with jute ropes, along with other materials considered incriminating. Investigators said the explosives had been hidden inside an abandoned house near a burial ground in Majherhat's Poilepara locality under Uttar Kashipur police station in South 24 Parganas district.

IRCTC flags 9 crore user accounts, expands AI monitoring across railway kitchens

New Delhi, Agency: Stepping up efforts to address the problem of passengers struggling to book confirmed tickets, IRCTC has deactivated more than three crore suspicious user IDs and also placed another six crore under verification of authenticity to prevent misuse.

The railways' catering and ticketing arm has also expanded its AI-based kitchen monitoring system across its network to deal with complaints about food hygiene and quality. Officials said more than 800 kitchens are now being monitored through 2,394 AI-enabled cameras that detect nine types of issues that are primarily responsible for unhygienic food in trains.

These include head cap compliance, transparent gloves detection, mopping, wiping, rodents, flies and cockroaches.

On the crackdown on suspicious users booking tickets, officials said 501 complaints have been lodged on the National Cyber Crime Portal pertaining to 4.18 lakh suspicious PNRs. It has also taken action against fraudulent digital identities by blocking 13,343 suspicious email domains during the year.

Flex-fuel vehicles practical solution to reduce crude imports: Hardeep Singh Puri

New Delhi, Agency: Petroleum minister Hardeep Singh Puri on Wednesday said flex-fuel vehicles offer India a practical way to reduce crude oil imports. He said if even 1% of annual petrol vehicle sales shift to the technology, it would generate demand for four crore litres of ethanol and save Rs 195 crore in foreign exchange each year. Puri also said this would lead to a reduction of approximately 0.3 lakh metric tonnes in crude oil imports and net reduction of nearly 0.9 lakh metric tonnes of CO2 emissions. "Around Rs 160 crore would flow directly to our farmers instead of going out of the country for oil imports," Puri said, adding that the impact would be significant as flex-fuel technology scales across India's two-wheeler ecosystem. Transport minister Nitin Gadkari said India, as the world's largest two-wheeler market, is well-positioned to lead the transition towards flex-fuel mobility and it would reduce emissions by 77%.

8 years on, proposal for IAS-like medical cadre still awaiting states' views

New Delhi, Agency: More than seven years after the Centre informed Parliament that it was consulting states on the creation of an All India Medical Service, a proposed national cadre of doctors on the lines of the IAS and IPS, the plan remains under consideration with the Union health ministry still awaiting responses from states and Union Territories. The proposed service is aimed at creating a dedicated cadre of medical professionals who could serve both the Centre and states, similar to officers of the Indian Administrative Service and Indian Police Service.

In a reply to an RTI application dated May 26, 2026, the ministry said the proposal for creation of an All India Medical Service is under consideration and that views of the remaining states and Union Territories have been sought before the matter is taken up with the Department of Personnel and Training (DoPT).

The proposal has been pending for years. In a Lok Sabha reply in December 2018, the health ministry had said that a committee constituted for the cadre review of the Central Health Service had examined the need for creation of an All India Medical Service and recommended seeking states' views before finalising the proposal. At the time, Goa, Mizoram, Dadra and Nagar Haveli, and the Andaman and Nicobar Islands supported the proposal, while Kerala and Sikkim opposed it. Andhra Pradesh sought a more comprehensive framework to address manpower needs in the health sector.

The latest RTI response suggests that despite years of deliberations, consultations with states are still continuing and a final decision on the proposed cadre is yet to be taken. Supporters of the proposal argue that a national medical cadre could help strengthen public health administration, improve deployment of specialists and create a leadership pipeline for the healthcare sector.

Cabinet backs ordinance to ease tax rules for foreign investors in some securities

New Delhi, Agency: The Union Cabinet on Wednesday recommended an ordinance to ease tax rules for foreign investors in some categories of securities. The details of the proposal moved by the finance ministry were not immediately available. However, it is being seen as an effort to help strengthen the rupee, which has weakened 6% against the US dollar as foreign portfolio investors have pulled out a record Rs 2.6 lakh crore from equities since Jan. The move is likely part of a coordinated action with Reserve Bank of India, which is expected to announce measures on Friday following the monetary policy committee meeting that began on Wednesday. Govt has been seeking to address concerns of various sectors, through measures such as a govt-guaranteed credit line for businesses and a package for exporters, apart from adjustments in duties, including fuel, to insulate the economy from the impact of the West Asia war. But the slide of the rupee and the constant FPI withdrawal from the market has been an area of concern. In the run-up to the Union budget, representatives of FPIs had sought tax changes, including a review of the capital gains tax regime for listed securities, and argued against levy of capital gains tax and securities transaction tax.

3 killed in fire at private hospital's ICU in Bihar's Muzaffarpur

New Delhi, Agency: At least three people were killed in a fire that broke out in the ICU of a private hospital in Bihar's Muzaffarpur district early on Thursday, a senior official said.

The blaze erupted at Prasad Hospital in the Brahmpura area, and quickly spread through the intensive care unit (ICU), filling it with dense smoke.

Muzaffarpur DM Subrat Kumar Sen said, "We received information about the fire early in the morning. At least three people have died in the incident."

Around 13 to 15 patients were being treated in the ICU, who have now been shifted to other hospitals by their family members, he told reporters.

"We are trying to reach out to the kin of the deceased and other patients. The fire has been brought under control," the officer said. Prima facie, the fire appears to have resulted from a short circuit, Sen said, adding that the exact cause of the blaze can be ascertained only after detailed investigation.

Bihar Chief Minister Samrat Choudhary described the incident as "extremely tragic" and expressed condolences to the bereaved families.

"Instructions have been issued to immediately provide an ex gratia of Rs 4 lakh to the families of each deceased.

Indian man charged in US crash that killed pregnant teen partner; victim's mother seeks deportation

New Delhi, Agency: The mother of a pregnant teenager who, along with her unborn child, was killed in a Range Rover Velar crash in Ohio, United States, has said she wants Immigration and Customs Enforcement (ICE) to deport the Indian man charged in the case.

Annette Holmes said she does not want 33-year-old Tarsem Singh to remain in the country.

According to a NDTV report citing Newsweek, the victim's family stated that Singh, an Indian national allegedly living in the US illegally, was the father of 17-year-old Ashlee Holmes' unborn child. The report added that Ashlee's relatives said she had tried to leave the relationship several times but was not successful.

"Nobody should ever deserve to die while pregnant with their first kid," Ashlee's mother told Newsweek. "I'm OK with him being kicked out of the country permanently... I don't want him in the States no more," she added.

On Indo-China border, model village to come up in Ladakh for nomads

Srinagar, Agency: Ladakh Lt Governor Vinai Kumar Saxena Wednesday laid the foundation stone for the first model border village at Chumur, located at an altitude of 16,700 feet along the India-China border. Officials said the first-of-its-kind project in the region will focus on infrastructure development, employment and livelihood generation, all-weather connectivity and greater civilian-defence integration. The initiative aims to facilitate a transition from a largely nomadic way of life to a secure and permanent settlement in the remote frontier region.

Chumur has 24 households with a population of 91 people, who are all engaged with goat rearing for pashmina and its production.

Under the program, families in these villages will be provided with climate-resilient, south-facing passive solar houses, designed to maximize solar heat gain and protect them from harsh winters, when the temperatures drop to -35 degrees, a Ladakh government statement said.

Each household will receive a residential unit with an attached bathroom, an additional room suitable for homestay activities, kitchen garden space, livestock sheds and dedicated fodder storage facilities.